



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY  
भाग 1—खण्ड 1  
PART I—Section 1  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 196]  
No. 196]

नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 11, 2003/श्रावण 20, 1925  
NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 11, 2003/SRAVANA 20, 1925

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 अगस्त, 2003

प्रारम्भिक जांच परिणाम

विषय :—चीन बनवादी गणराज्य तथा चीनी ताइपेई से प्लास्टिक आधेल्मिक लैंसों के आयातों के संबंध में  
पाटनरोधी जांच।

सं. 14/16/2002-डीबीएडी:—1995 में बथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की  
पहचान उनपर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण एवं क्षति निर्धारण) नियमावली 1995 को  
ध्यान में रखते हुए: -

### क. प्रक्रिया

1. जांच के बारे में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है:

(i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) को उपरोक्त नियमावली  
के अधीन घरेलू उद्योग की ओर से मै. टैक्ट्रान पोलीलैंसिस लि., हैदराबाद, जो कि  
इंडियन प्लास्टिक आधेल्मिक लैंसिस एसो. (इपोला), कर्नाटक का सदस्य है, (जिसे  
आगे याचिकाकर्ता कहा गया है) से लिखित से निर्यात किए गए प्लास्टिक  
आधेल्मिक लैंसिस (जिन्हे आगे संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप

लगाया गया था । इस याचिका का मै. इंडियन प्लास्टिक आर्थेल्मिक लैसिस एसोसिएशन ने भी समर्थन किया है, जिसके अन्य सदस्य मै. इंडियन प्लास्टिक आर्थेल्मिक लैसिस. मैन्यूफैक्चरिंग कं प्रा. लि., कर्नाटक तथा मै. प्रकाश प्लास्टिक इंडस्ट्रीज (मद्रास) प्रा. लि., चैन्नई है ।

- (ii) याचिकाकर्ता द्वारा दायर आवेदन की प्रारंभिक जांच करने पर कुछ कमियां पाई गई जो कि बाद में याचिकाकर्ता द्वारा सुधार दी गई थी । इसलिए याचिका को समुचित रूप से प्रलेखित माना गया था ।
- (iii) प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों के संबंध में याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर जांच शुरू करने का निर्णय लिया । प्राधिकारी ने नई दिल्ली स्थित चीन जनवादी गणराज्य तथा चीन टाइपेई के दूतावासों को नियमावली के उपनियम 5(5) के अनुसार जांच को शुरू करने की कार्रवाई से पहले पाटन के प्राप्त होने के बारे में सूचित किया ।
- (iv) प्राधिकारी ने 27.8.2002 में एक सार्वजनिक सूचना जारी की थी, जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया जिसके द्वारा 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की अनुसूची 1 के सीमाशुल्क कोड 9001.50 के तहत वर्गीकृत संबद्ध वस्तु के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच शुरू की गई थी ।
- (v) प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक प्रति ज्ञात निर्यातकों (जिनके ब्लौरे याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) को भेजी तथा उन्हे नियम 6(2) के अनुसार पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से लिखित रूप में अवगत कराने का अवसर प्रदान किया ।

(vi) प्राधिकारी ने नियम 6 (2) के अनुसार सार्वजनिक सूचना की एक प्रति ज्ञात आयातकों (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) को भेजी और उन्हें पत्र के जारी होने की तारीख से चालीस दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने की सलाह दी ।

(vii) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सी बी ई सी) से अनुरोध किया गया कि वे जांच की अवधि सहित पिछले 3 वर्षों के दौरान भारत में किए गए संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरे प्रस्तुत करें ।

(viii) प्राधिकारी ने उक्त नियम 6 (3) के अनुसार याचिका की प्रति ज्ञात निर्यातकों तथा संबद्ध देशों के दूतावासों को प्रदान की । जहां अनुरोध किया गया, अन्य हितबद्ध पार्टियों को अगोपनीय याचिका की एक प्रति उपलब्ध कराई गई ।

(ix) प्राधिकारी ने नियम 6 (4) के अनुसार अपेक्षित जानकारी प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित ज्ञात निर्याताकों / उत्पादकों को प्रश्नावली भेजी :-

1. मै. वैंज्हू ईस्ट आप्टिकल ग्लासेज चीन जनवादी गणराज्य ।
2. मै. वैंज्हू बूजहो ग्रुप कं. लि., चीन जनवादी गणराज्य ।
3. मै. वैंज्हू मिंगडा आप्टिकल ग्लासेज कं. लि., चीन जनवादी गणराज्य ।
4. मै. बिन शीट एंटरप्राइजेज कं. लि., ताईवान ।
5. मै. डेली ग्लासेज एंटरप्राइजेज कं. लि., ताईवान ।
6. मै. वाई एंड एस (तियांजिन) इंडस्ट्रीज लि., चीन जनवादी गणराज्य ।

संबद्ध देशों के नई दिल्ली स्थित दूतावासों के नियम 6 (2) के अनुसार जांच शुरू करने के संबंध में सूचना दी गई थी और यह अनुरोध किया गया कि वे अपने देश के निर्यातकों / उत्पादकों को प्रश्नावली को निर्धारित समय के अंदर उत्तर देने की सलाह दें । ज्ञात

निर्यातकों के भेजे गए पत्र, याचिका और प्रश्नावली की प्रतियां संबद्ध देशों के दूतावासों को भी भेजी गई थीं ।

(xi) नियम 6 (4) के अनुसार संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों / उपभोक्ता एसोसिएशनों को एक प्रश्नावली भेजी गई थी ।

1. मै. आर. के. ऑप्टिकल सर्विसेज, नई दिल्ली ।
2. मै. अजय इंटरनेशनल, दिल्ली ।
3. मै. एंटरग्राइज ड्रेंडिंग कं., दिल्ली ।
4. मै. इडियन ऑप्टिकल प्रा. लि., दिल्ली ।
5. मै. रिफलैक्ट ऑप्टिक्स, मुंबई ।
6. मै. प्राइम ऑप्टिक्स, मुंबई ।
7. मै. यूनिनी ऑप्टिक्स, मुंबई ।
8. मै. इन्सी ऑप्टिशियन, मुंबई ।

अनुरोध की अंतिम तिथि 7 अक्टूबर 2002 थी । हितबद्ध पार्टियों के अनुरोध पर समयवृद्धि 1 नवम्बर 2002 तक प्रदान की गई थी ।

प्रश्नावली / अधिसूचना का उत्तर / सूचना निम्नलिखित निर्यातकों / उत्पादकों ने दायर की थी :-

1. मै. वैंजू ईस्ट ऑप्टिकल ग्लासिस कं. लि., चीन जनवादी गणराज्य ।
2. मै. वैंजू कूजहो ग्रुप कं. लि., चीन जनवादी गणराज्य ।
3. मै. वैंजू बिंगडा ऑप्टिकल ग्लासिस लि., चीन जनवादी गणराज्य ।
4. मै. वाइ एण्ड एस. (वोयान जिन) इंडस्ट्रीज लि., चीन जनवादी गणराज्य ।

प्रश्नावली / अधिसूचना का उत्तर / सूचना निम्नलिखित आयातकों / उपभोक्ता एसोसिएशनों ने दी ।

1. मै. आर. के. ऑप्टिकल सर्विसिज, नई दिल्ली ।
2. मै. एंटरप्राइज ट्रेडिंग कं., दिल्ली ।
3. मै. इंडियन ऑप्टिक्स प्रा. लि., गुडगांव ।

ताइवान के किसी भी निर्यातक / उत्पादक ने उत्तर नहीं दिया ।

(xii) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्षों का अगोपनीय अंश उपलब्ध रखा, जिसे प्राधिकारी द्वारा सार्वजनिक फाइल के रूप में रखा गया और उसे नियम 6 (7) के अनुसार हितबद्ध पार्टियों द्वारा निरीक्षण हेतु खुला रखा ।

(xiii) सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) तथा याचिकाकर्ता द्वारा दी गई सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु की इष्टतम लागत तथा माल को बनाने और बेचने की न्यूनतम लागत का हिसाब लगाने के लिए लागत जांच की गई ।

(xiv) इस अधिसूचना में \*\*\* के किसी हितबद्ध पक्ष द्वारा गोपनीय आधार पर उपलब्ध कराई गई सूचना प्रदर्शित होती है, जिसने नियमों के तहत अधिकारी ने ऐसा ही माना है ।

(xv) यह जांच 1 अप्रैल, 2001 से 31 मार्च 2002 तक अर्थात जांच की अवधि के लिए की गई थी ।

ख. निर्यातक, आयातक तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

1. याचिकाकर्ता के विचार

(क) विचाराधीन उत्पाद

(i) आयातित उत्पाद प्लास्टिक ऑप्थेल्मिक लेंस हैं जिन्हें मानव की आंखों की दृष्टि को ठीक करने के लिए चश्में में इस्तेमाल किया जाता है । इन लेंसों को तैयार, काटे न गए तथा चश्मों के फ्रेमों में जड़ने के लिए तैयार किया जाता है । इस उत्पाद का आई टी सी (एच एस) वर्गीकरण 9001.50 है जिस पर 30% का अधिकतम सीमाशुल्क (2002 बजट) लगाया जाता है ।

(ii) लैंस बिस एलाइल डाई-कार्बोनेट से बनते हैं जिन्हें 1.498 के रिफ्रेक्टिव इंडेक्स तथा 50+ के एबीबीई नंबरों सहित सामान्यतः सी आर-39 के नाम से जाना जाता है। बुनियादी तौर पर ये आधुनिक युग के लैंस हैं, जिन्होंने सदियों पुराने ग्लास लैंसों का स्थान ले लिया है।

(iii) उत्पाद ओ जी एल के अधीन है।

(ख) घरेलू उद्योग

(i) यह याचिका इंडियन ऑथेल्मिक लैंस एसोसिएशन (आई पी ओ एल ए), 48 एल एण्ड एम, कियाद इंडिस्ट्रियल एरिया, डोडाबालापुर-561203 बंगलौर नार्थ डिस्ट्रिक्ट, कर्नाटक द्वारा दायर की गई, जिसका प्रतिनिधित्व उसके अध्यक्ष द्वारा किया गया है। एसोसिएशन के सदस्यों का हिस्सा घरेलू प्लास्टिक ऑथेल्मिक लैंसों के उत्पादन का 90% बनता है।

(ii) सदस्य यूनिटों की वार्षिक उत्पादन क्षमता :-

(क)	ट्रैकट्रान पॉलीलैंसेज लि. (100% ई ओ यू की डी टी ए बिक्री की हकदारी)	1,000,000 जोड़े
(ख)	इंडियन ऑथेल्मिक लैंसेज मैन्यूफैक्चरिंग कं. प्रा. लि.	1,500,000 जोड़े
(ग)	प्रकाश प्लास्टिक इंडस्ट्रीज (मद्रास) प्रा. लि.	125,000 जोड़े
		2,625,000 जोड़े

(iii) कंपनी ने उत्पादन क्षमता इसके द्वारा वास्तव में किए जाने वाले उत्पादन से कहीं अधिक स्थापित की है।

उत्पादक का नाम	स्थापित क्षमता	वास्तविक उत्पाद या उपलब्धि क्षमता	
प्रकाश प्लास्टिक इंडस्ट्रीज	1,25,000 जोड़े	1,25,000 जोड़े	(100%)
ट्रैकट्रान पॉलीलैंसेज घरेलू क्षमता	1,000,000 जोड़े	464,139 जोड़े	(46.41%)
इंडियन ऑथेल्मिक लैंसेज मैन्यूफैक्चरिंग कं.	1,500,000 जोड़े	750,000 जोड़े	(50%)
कुल	2,625,000 जोड़े	1,339,139 जोड़े	(51%)

(iv) उपर्युक्त तीनों कंपनियों का औसत वार्षिक उत्पादन 150 मिलियन रुपये के लगभग है ।

(v) सदस्य कंपनियां एकल विज़न तथा बहु फोकल लेंसों का उत्पादन करती हैं जो ताइवान तथा चीन से आयातित उत्पादों के समान हैं । सदस्य कंपनियां एकल विज़न तथा बहु फोकल लेंसों के अर्द्ध-प्रसंस्कृत उत्पादों का निर्माण भी करती है यद्यपि उनकी मात्रा कम है ।

(vi) कोई भी उत्पादक सदस्य कंपनी किसी उत्पाद का आयात नहीं करती है और किसी भी सदस्य कंपनी का पाटित मदों के किसी आयातक या निर्यातक से रिश्ता है ।

(vii) देश में केवल दो अन्य छोटे प्लास्टिक लेंस विनिर्माता हैं, जो कि इस शिकायत में पार्टी नहीं हैं - (i) रिफ्लेक्ट ऑप्टिक्स, डॉक्टर हाऊस, मुम्बई तथा (ii) ग्लोबल ऑप्टिक्स प्रा. लि., नई दिल्ली ।

#### ग. समान वस्तु

(i) प्लास्टिक ऑर्थैल्मिक लेंसों के स्थान पर कांच के लेंस प्रतिस्थापित किए जा सकते हैं परंतु सुरक्षा, पराबैंगनी विकिरण को अवशोषित करने, ग्राहक के लिए आरामदायक होने आदि के संबंध में कांच के लेंस प्लास्टिक लेंस की तुलना में घटिया हैं ।

(ii) पाटित उत्पादों और सदस्यों द्वारा निर्मित उत्पादों में कोई वास्तविक अंतर नहीं है । दोनों ही उत्पाद सी आर-39 या इसी प्रकार के कच्चे माल से बनाए जाते हैं तथा ढलाई में पॉलिमराईज़ेशन अपनाया जाता है । प्रारंभ में प्रयोग की जाने वाली वस्तुओं में थोड़ा अंतर हो सकता है । पॉलिमराईज़ेशन चक्र और प्रक्रिया निर्माता दर निर्माता भिन्न हो सकती है ।

#### घ. पाटन

याचिका के अनुसार संबद्ध वस्तु की कथित पाटन सीमा निम्नानुसार है :-

वर्ष	ताइवान		चीन		अन्य	
2000-01	3,97593	43.40	5,50319	31.61	6,75,570	116.07
2001-02	6,23,534	14.65	8,72,400	30.43	6,58,946	103.14

वर्ष 2001-2 में आयातित उत्पादों का हिस्सा घरेलू बाजार का 62% बनता है ।

(I) सामान्य मूल्य के मूल्यांकन -

चूंकि निर्यातक देशों ताइवान एवं चीन में पाटित मदों की स्थानीय बिक्री कीमतों तक याचिकाकर्ता की पहुंच नहीं है, अतः याचिकाकर्ता द्वारा सामान्य मूल्य का परिकलन निम्नानुसार किया गया है :-

(क) कच्चा माल :- मोनोमर अर्थात् सी आर-39 या एन एस-200 खपत तकरीबन 24 ग्राम/लेंस होगी। विश्व भर में मोनोमर के आपूर्तिकर्ता पी पी जी, अमरीका और ग्रेट लेक्स केमिकल्स कॉर्पोरेशन, नीदरलैंड है और उनका एक समान मूल्य 4.50 अमरीकी डालर प्रति कि.ग्रा. है।

अतः मोनोमर की लागत प्रति लेंस का जोड़ा (रुपये) =  $2 \times 24 / 1000 \times 4.5$  डालर  $\times 48.6 = 5.25$  रु.  $\times 2 = 10.50$  रु / जोड़ा

प्रारंभक :- एकजो नोबल नांफ जापान आदि द्वारा आपूर्ति आईसोप्रोपाइल पेरोक्साइड। शुद्ध आई पी पी का मूल्य 60 डालर प्रति कि. ग्रा. है तथा मोनोमर के भार के 3% आई पी पी (शुद्ध) का प्रयोग होता है।

प्रति लेंस जोड़ा प्रारंभक की लागत =  $2 \times 24$  ग्राम  $\times 3\% \times 1$  कि. ग्रा. / 1000 ग्राम  $\times 60$  डालर (प्रति कि. ग्रा.)  $\times 48.6$  (विनिमय दर)  $2.10$  रु.  $\times 2 = 4.20$  रु. / जोड़ा

प्रति जोड़ा कुल कच्चे माल की लागत =  $7.35$  रु.  $\times 2 = 14.70$  रु. जोड़ा

(ख) रसायन, गारकेट, ग्लास मोल्ड, मेकेनिकल तंथा इलैक्ट्रिकल पूर्ति सहित भंडार और पुर्जे - 4.00 रु. प्रति लेंस =  $4.00 \times 2$  रु. = 8 रु. जोड़ा

(ग) विद्युत तथा ईधन: एक लेंस के निर्माण में तकरीबन 0.8 से 0.9 कि. वा. विद्युत की आवश्यकता होती है। चीन में विद्युत लागत भारतीय विद्युत लागत का 50% मानते हुए, विद्युत तथा ईधन की लागत 1.60 रु. प्रति लेंस =  $1.60$  रु.  $\times 2 = 3.20$  रु. जोड़े से कम नहीं होगी।

(घ) मजदूरी लागत - एक अर्द्ध स्वचालित संयंत्र में, उत्पादकता, लगभग 40 लेंस/मेकशिफ्ट होती है। चीन की कम मजदूरी लागत 600 युआन प्रति महीने प्रति व्यक्ति अथवा 3600

रुपये/महीने 6 रुपये युआन की दर से मानते हुए 3600 जमा (25 दिन/महीना  $\times$  40 लैंस/मानव दिन) जमा  $3.6 \times 2 = 7.20$  रुपये/जोड़ा मजदूरी कीमत बनती है ।

(ड) पैकिंग और बिक्री कीमत

पैकिंग सामग्री	1.50 रुपये/लैंस
विविध बिक्री कीमतें	0.50 रुपये/लैंस
कुल	2.00 रुपये/लैंस या 4.00 रुपये/जोड़ा

(घ) नियत फैक्टरी व्यय तथा प्रशासनिक कीमतें अनुमानित  $3.00 \times 2 = 6.00$ , रुपये/जोड़ा  
ब्याज तथा मूल्य हास के पहले कुल विनिर्माण लागत 43.10 रुपये/जोड़ा

(छ) ब्याज 10.10 रुपये/जोड़ा

(ज) मूल्य हास 7.00 रुपये/जोड़ा  
परिकलित सामान्य मूल्य (याचिका के अनुसार) : 60.20 रुपये/जोड़ा

(vi) पिछले दो वर्षों में तथा वर्तमान वर्ष में भारत के लिए औसत आयातित कीमत की सूची नीचे दी गई है -

(क) आयात कीमत / जोड़ा (सी.आई.एफ)

(मात्रा जोड़े में) स्रोत : डी जी सी आई एस

	1999-2000	2000-2001	2001-2002
चीनी टाइपेई	52.42	43.40	14.65
चीन जनवादी गणराज्य	41.88	31.61	30.43
अन्य	56.36	116.07	103.14

**(ख) पाटित वरत्तुओं के लिए एफ ओ बी कीमत की गणना**

डी जी सी आई एस के आंकड़ों में भारत तट के लिए सी आई एफ कीमत की सूचना निहित होती है। एफ ओ बी कीमत का निर्धारण करने के लिए स्वदेशी परिवहन, अग्रेषण और पत्तन हैंडलिंग समुद्री भाड़े और भारतीय पत्तन डिलीवरी प्रभारों आदि को घटाना होता है।

	रुपया / जोड़ा
स्वदेशी परिवहन	1.00
अग्रेषण और पत्तन हैंडलिंग	1.00
समुद्री भाड़ा	3.00
पत्तन डिलीवरी प्रभार	1.00
कुल	6.00

दो वर्षों की समीक्षा अवधि के दौरान ये खर्च अनिवार्य रूप से स्थिर माने जाते हैं।

**(ग) आयात कीमत / जोड़ा (एफ ओ बी)**

	1999-2000	2000-2001	2001-2002
चीनी ताइपेई	46.42	37.40	14.65
चीन जनवादी गणराज्य	35.88	25.61	24.43
अन्य	50.36	110.07	97.14

इसलिये पाटन मार्जिन होगा -

**2001 - 2002**

	ताईवान	चीन
सामान्य मूल्य, भारतीय रु. में - प्रति जोड़ा	60	60
निर्यात कीमत एफ.ओ.बी., भारतीय रु. में - प्रति जोड़ा	8.65	24.43
पाटन मार्जिन, भारतीय रु. में - प्रति जोड़ा	51.35	35.57
पाटन मार्जिन(प्रतिशत)	85.58 %	59.28 %

(ङ) क्षति

अनंतिम क्षति निर्धारण के लिए याचिकाकर्ता द्वारा निम्नलिखित तर्क दिए गए हैं :

- (i) आयातकों ने भारतीय बाजारों को अपने उत्पादों से 61.70 प्रतिशत तक भर दिया है ।
- (ii) वर्ष 2001-2002 में प्लास्टिक लेंसों की कुल मांग -

## (क) आयात

रुपोत : डी जी सी आई एस

	जोड़े	प्रतिशत
चीनी ताइपेई	623,534	17.8
चीन	872,400	25.0
अन्य	658,946	18.9

## (ख) घरेलू बिक्री

टेकट्रान घरेलू बिक्री	464,139	13.3
अन्य सभी आईपीओएल ए सदस्य	875,000	25.0
अन्य	शून्य	शून्य
कुल	3,494,019	100.0

- (iii) यद्यपि 2001-2002 में ताइवान और चीन के आयात 2000-2001 की तुलना में लगभग 60% बढ़ गए हों तथापि टेकट्रॉन ने उसी अवधि में अपनी बिक्री में लगभग 7.3% तक का नुकसान उठाया । टेकट्रॉन अपनी अहं घरेलू क्षमता का 50% तक भी प्राप्त नहीं कर सका ।

	2000-2001	2001-2002	बिक्री मात्रा में बढ़ोतरी का % (कमी)
टेक्ट्रॉन पॉली लेंसों की घरेलू बिक्री	500,763 जोड़े	464,139 जोड़े	7.3%
ताइवान	397,593 जोड़े	623,534 जोड़े	57%
चीन	550,319 जोड़े	872,400 जोड़े	59%

(iv) बाजार विस्तार की प्रक्रिया के दौरान भी घरेलू एकक घाटा उठा रहे थे या बंद होने की कगार तक पहुंच गए। कुछ एकक आर्थिक दबाव के कारण बंद हो गए अथवा बिक गए।

(v) ताइवान और चीन से आयात प्रतिवर्ष बढ़ रहे हैं जबकि आयात कीमतें घट गई हैं क्योंकि ये देश उत्पादों का पाटन उनकी उत्पादन लागत से कम कीमत पर पाटन कर रहे हैं। भारत में प्लास्टिक लेंसों का आयात विश्व में सबसे न्यूनतम कीमत पर हो रहा है।

(vi) घरेलू एकक उन बेतुकी कीमतों (कच्चे माल की कीमत से भी कम) की बराबरी करने में असफल रहे हैं और उन्हें निर्यात बाजार ढूँढ़ने या उत्पादन बंद करने के लिए बाध्य होना पड़ा है।

(vii) एस आर एफ द्वारा स्थापित एक घरेलू एकक ने भारी घाटा उठाया है और भितव्ययतापूर्वक कार्य करने में असफल रहा है, जिसके परिणामस्वरूप उसे एक बहुराष्ट्रीय सहायक कंपनी इंडियन ऑर्थोलिमिक लेंसेज़ मैन्यूफैक्चरिंग कं. प्रा. लि. को आपात बिक्री करनी पड़ी है। पुनर्गठित एकक कम क्षमता पर कार्य कर रहा है। टेक्ट्रॉन पॉलीलेंसेज़ लि. कर्ज़ भार को उठाने की भरसक कोशिश कर रहा है और वित्तीय संस्थानों के लिए एक गैर-निष्पादनकारी फैक्ट्री बना हुआ है। टाटा की सहायक कंपनी फोर्ब्स गोकक लि. ने औरंगाबाद में प्लास्टिक लेंस के विनिर्माण की सुविधा स्थापित की थी जिसे 70 करोड़ रुपये का संचयी घाटा उठाने और 250 लोगों का रोज़गार गंवाने के बाद बंद कर दिया गया था।

(viii) उद्योग में यह दृढ़ विश्वास है कि सीमाशुल्क के अपवचन और उसके परिणामस्वरूप कम आयात लागत के लिए, चीन और ताईवान से होने वाले आयातों का कम बीजक तैयांर किया जाता है। देश को सीमाशुल्क राजस्व का घाटा हुआ और घरेलू एककों की विफलता के कारण औद्योगिक मोर्चे पर भी नुकसान हुआ (निवेशित पूँजी, रोज़गार, राजस्व आधार आदि)। वर्ष 2001-2002 में अकेले टेकट्रॉन ने 464139 जोड़ों की घरेलू बिक्री पर 82.80 लाख रुपए के शुल्क (आयात शुल्क के 50% पर) का भुगतान किया है जबकि ताईवान के आयातों पर 872,400 जोड़ों के लिए 107 लाख रुपए का भुगतान किया गया है। इन तथ्यों से निसंदेह बेर्इमानी, जम बीजक पर आयातों की आम धारणा प्रमाणित होती है।

(ix) 2001-2002 में ताईवान और चीन से पहुंच पूल्य क्रमशः 25.84 और 30.89 प्रति जोड़े रहा है।

(x) भारत में प्लास्टिक ऑप्यूथैल्मिक लेंसों की मांग बढ़ती जा रही है परंतु मांग में हुई समग्र वृद्धि वस्तुतः कपटपूर्ण आयातों, निम्न कीमत पर पाटन और बिक्री कीमत में की गई कमी ने हड्डप ली है।

(xi) बिक्री कीमतें/जोड़ा (एफ ओ बी)

	1999-2000	2000-2001	2001-2002
ताईवान	रुपये 46.42	रुपये 37.40	रुपये 8.65
चीन	रुपये 35.88	रुपये 25.61	रुपये 24.43
अन्य	रुपये 50.36	रुपये 110.07	रुपये 97.14

## (xii) अन्य आयातक देशों की तुलना

	1999-2000	2000-2001	2001-2002
अन्य सभी देशी बिक्री मात्रा (जोड़ों में)	1,135,515	675,570	658,946
अन्य सभी देशों की औसत बिक्री कीमत (रुपये/जोड़े में)	56.36	116.07	103.14

सारांश रूप में, घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि चीन तथा ताईवान के उत्पादों का भारत में आयात सामान्य मूल्य से काफी कम कीमत पर (कुछ मामलों में कच्चे माल की लागत से कम) किया गया है और इससे बिक्री मात्रा हानि, कम क्षमता उपयोग तथा कुछ एककों को बंद किए जाने से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। इन देशों के संबंध में पाटन मार्जिन बहुत अधिक है।

(c) सामान्य मुद्दे

## (i) ग्लास लेंस प्रभाव

यद्यपि ग्लास लेंस पूरे ऑथैल्मिक लेंस बाजार में प्रतिस्पर्धा करते हैं, फिर भी इससे प्लास्टिक लेंसों को कोई क्षति नहीं पहुंचती है क्योंकि भारत में प्लास्टिक लेंसों का बाजार हिस्सा बढ़ रहा है और जैसा कि विकसित देशों में हुआ है, प्लास्टिक लेंस ग्लास लेंस की जगह ले रहे हैं। प्लास्टिक लेंस उत्कृष्ट और आधुनिक उत्पाद हैं तथा ग्लास लेंस की तुलना में अधिक सुरक्षा व स्वास्थ्य संबंधी लाभ प्रदान करते हैं। ग्लास लेंसों से प्लास्टिक लेंस उद्योग को नुकसान नहीं पहुंच रहा है लेकिन खरीद कीमत से कम कीमत पर प्लास्टिक लेंस के आयातों के पाटन से, बढ़ते घरेलू बाजार में उचित हिस्सा न मिल पाने के कारण घरेलू उद्योग को क्षति पहुंच रही है।

## (ii) वस्तु का वर्गीकरण

वस्तु कोड है 90015000 अन्य सामग्री के चश्मे के लेंसों के लिए है । ग्लास लेंस वस्तु कोड 90014000 के अन्तर्गत आते हैं और इसलिए अन्य सामग्री से बने चश्मे के लेंस केवल प्लास्टिक से बने चश्मे के लेंस हैं क्योंकि चश्मे का लेस बनाने के लिए किसी अन्य सामग्री का उपयोग नहीं होता है ।

## 2. आयातकों के विचार

### 1. मै. इंटरप्राइज़ ट्रेडिंग कं.

- (i) केवल सी आर 39 लेंसेज़ ही जांच के दायरे में आते हैं जबकि एक्रीलिक लेंसेज़ जो भिन्न प्रकार की विनिर्माण प्रक्रिया अर्थात् इंजेक्शन मोल्डिंग और भिन्न कच्चे माल से बनाए जाते हैं की सीमा में नहीं आते हैं ।
- (ii) कच्चे माल की खपत और अन्य लागतों के आधार पर सामान्य मूल्य \*\*\*\* डालर / जोड़े कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत तथा \*\*\*\* डालर / जोड़े बनेगी जो पाटन के न होने का प्रमाण है ।
- (iii) पॉली मिथाइल मेथाक्रायलेट (पी एम एम ए) लेंस पॉलिकार्बोनेट लेंसों जैसे अन्य प्रकार के लेंसों एंटी रिफ्लैक्शन, मल्टीकोटिंग, हायड्रोफोबिक कोटिंग, एंटी-ई एम आई कोटिंग तथा एंटी-स्कैच कोटिंग लेंसों जैसे विशिष्ट लेंसों आदि का घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्माण नहीं किया जाता है और बिरला पेरीक्लेज बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में माननीय सी ई जी ए टी के निर्णय में विश्वास किया जाता है ।
- (iv) घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं पहुंची है ।
- (v) मै. टेकट्रॉन 100% ई ओ यू है तथा उसकी उत्पादन लागत, घरेलू बिक्री के लिए प्रासंगिक नहीं है । अतः मै. टेकट्रॉन द्वारा दी गई सूचना पर ध्यान नहीं दिया जाना चाहिए ।

**2. मै. आर के ऑप्टिकल सर्विसेज़**

जांच की अवधि में इन्होंने सी आर 39 लेंसों का आयात नहीं किया है बल्कि मुख्यतः एक्रीलिक लेंसों का ही आयात किया है ।

**3. मै. इंडियन ऑप्टिक्स प्रा. लि.**

- (i) वे प्लास्टिक और ग्लास लेंस दोनों के विनिर्माता हैं परंतु चीन, सिंगापुर और इंडोनेशिया से विशिष्ट प्रयोग वाले विशेष प्रकार के लेंसों का आयात भी करते हैं ।
- (ii) सी आर-39 ए डी सी ए / एन एस 200 से बनाए जाते हैं जबकि एक्रीलिक लेंस पॉलिमिथाइल मेथाक्रायलेट (पी एम एम ए) से बनाए जाते हैं ।
- (iii) सी आर लेंस और एक्रीलिक लेंस के निर्माण की प्रक्रिया अलग-अलग है । पहले लेंस का निर्माण कास्टिंग प्रक्रिया से किया जाता है वहीं दूसरे का निर्माण इंजेक्शन मोल्डिंग प्रमिया से किया जाता है ।
- (iv) अलग-अलग प्रकारों के प्लास्टिक ऑप्थैल्मिक / स्पेक्टेकल लेंस की रिफरैक्टिव इंडेक्स सी. आर-39 और एक्रीलिक लेंस के लिए 1.498 है । प्लास्टिक ऑप्थैल्मिक लेंस के लिए 1.56, 1.60, 1.523, 1.67, 1.58 आदि अन्य रिफरैक्टिव इंडेक्स हैं तथा पालिकार्बोनेट लेंस के लिए 1.58 है ।
- (v) वे प्लास्टिक सी आर-39 - 1.40, लेंसों पर पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने के विरोध में नहीं हैं बल्कि अन्य विशेषता वाले लेंसों पर पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने का विरोध करते हैं जो घरेलू उत्पादकों द्वारा निर्मित नहीं किए जाते हैं । ये एंटी रिफलैक्शन मल्टीकोटिंग, हाइड्रो फोबिक कोटिंग, एंटी इ एम आई कोटिंग और एंटी स्क्रैच कोटिंग लेंस हैं । घरेलू उत्पादक केवल एंटी स्क्रैच कोटिंग / हार्डकोटिंग बनाने की क्षमता रखते हैं ।
- (vi) वे प्लास्टिक ऑप्थैल्मिक लेंस सी आर-39 के लिए न्यूनतम निर्यात कीमत निर्धारित किए जाने का समर्थन करते हैं परंतु उसमें विशिष्ट लेंस शामिल नहीं होने चाहिए ।

**4. मै. यूनिटी ऑप्टिक्स, मुंबई और मै. प्राइम आप्टिक्स ने उल्लेख किया है कि उन्होंने चीन जनवादी गणराज्य और ताईवान से सी आर-39 किस्म के लेंसों का निर्यात नहीं किया है ।**

### 3. निर्यातकों के विचार

#### 1. मै. वाई एंड एस (टियानजिन) इंडस्ट्रीज लि., चीन जनवादी गणराज्य

(i) मै. वाई एंड एस (टियानजिन) इंडस्ट्रीज लि. ने सी आई एफ कीमत तथा आई पी पी कीमत \*\*\*/मी टन प्रस्तुत की है, जो उन्हें स्थानीय लोतों से प्राप्त हुई थी और यह दावा किया है कि उनकी उत्पादन लागत कच्चे माल पर उपरोक्त दी गई कम लागत के कारण बहुत कम है ।

(ii) अनुरोध किया गया है कि सी आर-39 और एक्रिलिक लैंस समान वस्तु नहीं हैं और केवल सी आर 39 लैंसों को ही शामिल किया गया है । घरेलू उद्योग ने एक्रिलिक लैंसों का न तो उत्पादन किया है न ही उसके पारे इसकी उत्पादन क्षमता है ।

(iii) डालर/जोड़ा की कुल उत्पादन लागत के आधार पर दर्शाया गया निर्यातक का सामान्य मूल्य \*\*\* डालर/जोड़ा के बजाय \*\*\* डालर/जोड़ा जैसाकि याचिकाकर्ता ने दावा किया है । निर्यातक ने उत्पादन लागत का दावा करने के विभिन्न कारण दिए हैं ।

(iv) निर्यातक ने सत्यापन के लिए अपनी इच्छा भी दिखाई है और संकेत दिया है कि वे बाजार सिद्धांतों के अनुसार कार्य कर रहे हैं ।

#### 2. मै. वेन्झो वुओं ग्रुप के. लि., चीन जनवादी गणराज्य (वुझों)

- वुझों 2001 में चीन जनवादी गणराज्य में नियमित एवं पंजीकृत एक प्राइवेट लि. के और नेत्रों के प्लास्टिक के लैंसों का एक निर्यातक है । वुझों एक बाजार अर्थव्यवस्था वाली कंपनी है । वुझों पर किसी राज्य/सरकार का नियंत्रण नहीं है । वुझों कोई इमदाद प्राप्त नहीं करता है ।
- कीमतों के संबंध में वुझों द्वारा जो निर्णय लिया जाता है वह मांग और आपूर्ति प्रदर्शित करने वाले बाजार संकेतों के अनुरूप किये जाते हैं और निविष्टियों की लागत बाजार मूल्यों को प्रदर्शित करती है ।

- उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति में कोई परिवर्तन नहीं है क्योंकि प्रश्नावली के उत्तर में संलग्न गोपनीय सूचना के अनुसार वुझो पूर्ण रूप से एक प्राइवेट कंपनी है ।
- वुझो का कहना है कि वे एक विनिर्माता नहीं हैं और इसलिए उसकी कोई घरेलू विक्री नहीं है और उसके पास निर्यात अथवा आयात करने के लिए कोई लाइसेंस नहीं है और उसने जांच अवधि अर्थात् 1 अप्रैल 2001 से 31 मार्च 2002 की अवधि के एक हिस्से के दौरान भारत अथवा अन्य देशों को संबद्ध माल का निर्यात किया है ।
- चीन में विनिर्मित एवं वुझो द्वारा निर्यातित नेत्रों के लिए प्लास्टिक लेंसों को आमतौर पर एक्रिलिक प्लास्टिक लेंस (पी एम एम ए) कहा जाता है जबकि उक्त आवेदक द्वारा विनिर्मित एवं भारत में बेचे गए संबद्ध माल की श्रेणी को आमतौर पर हार्ड रेजिन लेंस (सी आर 39) कहा जाता है । एक्रिलिक प्लास्टिक लेंस चिकित्सीय अथवा सुधारात्मक प्रयोजनार्थ उपयुक्त नहीं हैं ।
- वुझो द्वारा निर्यातित संबद्ध माल अर्थात् एक्रिलिक प्लास्टिक लेंस के समान वस्तु की श्रेणी का भारत में कोई घरेलू उद्योग नहीं है ।
- वुझो द्वारा भारत को \*\*\*\* अमरीकी डालर प्रति जोड़े की औसत दर पर निर्यातित संबद्ध माल की जांच अवधि के दौरान कारखाना गत कीमत तीसरे देश की औसत निर्यात कीमत है जो जांच अवधि की कीमत से कम है ।
- चीनी विनिर्माता संबद्ध माल के सामूहिक एवं समेकित उत्पादन, उच्च क्षमता उपयोग, सस्ती कच्ची सामग्री एवं श्रम, श्रमिक असंतोष अथवा अपरिहार्य घटना अथवा निविष्टि आपूर्ति बाधाओं, जांच अवधि के दौरान किसी श्रम दिवस के व्यर्थ न होने, सस्ते एवं सक्षम संभार तंत्र और बुनियादी सुविधाओं और भाड़ा एवं प्रहस्तन में मितव्ययिताओं के फलस्वरूप अत्यधिक मात्रा में बचत का लाभ उठाते हैं । संबद्ध माल का मुख्य लक्ष्य अपेक्षाकृत निम्न आय आजार क्षेत्र के लिए न कि समृद्ध बाजार अंश के लिए होता है ।
- आवेदन द्वारा भारत में उत्पादित एवं बेचे गए संबद्ध माल और वुझो द्वारा भारत को निर्यातित संबद्ध माल की श्रेणी के बीच अनेक भिन्नताएं हैं ।

- सी आर 39 युक्त उत्पादित माल और पी०एम० एम ए युक्त उत्पादित माल पूर्णरूपेण भिन्न भिन्न है, हालांकि ये दोनों की वर्गीकरण सं 9001.50 अन्य सामग्री के चश्मों के लेंस में वर्गीकृत हैं ।
- सी०आर-३९ से निर्मित उत्पादों को सामान्य तौर पर हार्ड रेजिन लेंस (सी०आर-३९) कहा जाता है जबकि पी०एम०एम०ए से निर्मित उत्पादों को एक्रिलिक प्लास्टिक लेंस (पी०एम०एम०ए०) कहा जाता है ।
- बुझी द्वारा विनिर्मित एवं निर्यातित संबद्ध माल आवेदन के घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित संबद्ध माल का न तो तकनीकी रूप से न ही वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापन करता है और इस प्रकार ये आवेदक के घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित संबद्ध माल के समान वस्तु नहीं हैं ।
- विगत में कांच की सामग्री का उपयोग इसके रासायनिक ढाँचे एवं स्क्रैच प्रतिरोधन के कारण शीटों के लिए किया जाता था । अनेक अनुप्रयोगों में पी एम ए, पी सी, सी ए बी जैसी पारदर्शी प्लास्टिक सामग्रियों द्वारा अपने हल्के कजन, बेहतर प्रभावी प्रतिरोध और कार्यक्षमता की वजह से शीशे का स्थान ले लिया गया है । तथापि, इन सामग्रियों में शीशे की तुलना में कुछेक हानियां प्रदर्शित होती हैं, जैसी निम्न रासायनिक प्रतिरोध, स्क्रैच के प्रति प्रतिरोध अथवा जल्दी पुराना होने की समस्याएं, जिन सभी के फलस्वरूप इन्हें प्रयोग करते समय यांत्रिकी और दृष्टिगत विशेषताओं, नेत्रीय गुणधर्म, सूक्ष्म-दूट-फूट, धुँधलापन और अन्य परेशानियां होती हैं ।
- पी एम ए समेत ये सामग्रियाँ सदैव शीशे का एक पूर्ण संतोषजनक विकल्प प्रदान नहीं करते हैं और अनेक अनुप्रयोगों में महंगे उपकरण एवं यंत्रों की गुणवत्ता और कार्य निष्पादन के लिए उनके घटिया कार्य निष्पादन वाले पारदर्शी प्लास्टिक के हिस्से पुर्जों का प्रयोग किया जाता है ।
- सी आर-३९ (हार्ड रेजिन लेंस) प्लास्टिक सामग्री और कांच दोनों के समिलित लाभ प्रदान करता है । हार्ड रेजिन आप्टिकल क्वालिटी कास्ट शीटें खरोच, इम्पैक्ट स्ट्रैस क्रैकिंग, विलायक, रासायनिक, गामा विकिरण, वेल्डिंग स्पार्क पाटन रोधी और शीघ्र खराब नहीं होते हैं । वे प्रयोग की कठिन पर्यावरण एवं परिस्थितियों की विविधताओं के जरिए कई वर्षों तक अपनी विशेषताएं बनाए रखती हैं, जबकि अन्य सामग्रियां कुछ दिनों अथवा महीनों तक ही रहती हैं ।
- पी एम ए और सी आर-३९ का संबंधित अनुप्रयोग भिन्न-भिन्न है ।

- हार्ड रेजिन का उपयोग रेडान सान्द्रता का निर्धारण, मैग्नेटिक मोनोपोल्स (लेबोरेटरी ने जियोनावी ग्रान सासों में वृहत परीक्षण) का अनुसंधान, वनस्पति एवं पशुओं पर प्रकाश के प्रभाव के बारे में जैविक परीक्षण और वायुमंडलीय अनुप्रयोग में जागिकीय ट्रैक डिट्रैक्टर जैसे संवेदनशील वैज्ञानिक अंतर्दृश्य एवं आणविक अनुप्रयोगों में निरंतर बढ़ रहा है।
- उक्त अनुप्रयोग के अनुसार कच्ची सामग्री के स्रोत निम्नानुसार है:-
- मानामर के विश्वव्यापी आपूर्तिकर्त्ताओं में पी.पी.जी., संयुक्त राज्य अमेरिका एवं ग्रेट लेक्स केमिकल कार्पोरेशन डैनिकल लेक्स के अंतर्दृश्य हैं।
- एशिया और विश्व भर में भी पी.एम.एम.ए. ए उद्योग पर आई सी आई एक्रिलिक्स इंक, बी.ए.एस.एफ और एल्फ एटोकैम समेत कुछ ही प्रतिस्पर्धी उद्यागों का वर्चस्व है। पी.पी.जी. और ग्रेट लेक्स केमिकल कोरप, सी.आर-39 के आपूर्तिकर्त्ता हैं न कि पी.एम.एम.ए. के।
- चीनी विनिर्माताओं के उत्पादन की पी.एम.एम.ए. खरीद कीमत मात्र 1.6 अमेरीकी डालर प्रति क्रिग्रा. है क्योंकि वे पूर्ण रूप से भिन्न हैं।
- एक्रिलिक प्लास्टिक लेंस (पी.एम.एम.ए.) और हार्ड रेजिन लेंस (सी.आर-39) के बीच संबंधित विनिर्माण प्रक्रिया, कच्ची सामग्रियों और सॉचों में अंतर है।
- उच्च विनिर्देश्टाएं प्राप्त करने के लिए हार्ड रेजिन लेंस (सी.आर-39) की उत्पादन प्रक्रिया अधिक जटिल है और इसमें अधिक लागत शामिल है और अस्वीकार करने की गुजाइश अधिक है।
- कच्ची सामग्री सी.आर-39 के प्रयोग के आधार पर निर्धारित संबद्ध माल का सामान्य मूल्य सभी किस्म के संबद्ध माल का प्रतिनिधि नहीं है।
- इस प्रकार पी.एम.एम.ए. से विनिर्मित संबद्ध माल को वर्तमान जांच के दायरे से अलग किया जाये।
- जांच के दौरान द्वारा चीन में संबद्ध माल की सभी तीसरे देश की निर्यात बिक्रियाँ व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में थीं और इसलिए गोपनीय आंकड़े प्रश्नावली के गोपनीय उत्तर के रूप में प्रस्तुत किए गए हैं।

- **कुँजाहूसा** चीन से सबद्ध नाल का कोई पाठन नहीं किया गया है जैसाकि आरोप लगाया गया था और इस प्रकार वतनान जाँच को स्नाप्त कर दिया जाये ।

### क्षति एवं कारणात्मक संबंध

- दूँके आवेदक सनान वस्तु/सबद्ध नाल का न तो उत्पादन करता है न ही उसकी बिक्री करता है इसलिए उसके द्वारा उत्पादित न किए गए सनान की श्रेणी के बारे में आवेदक को कोई क्षति नहीं हो सकती है ।
- जाँच अवधि और पूर्ववर्ती दर्शों के दौरान भी उक्त आवेदक के लानों, उत्पादन और क्षता उपभोग में वृद्धि हुई है जबकि नाल सूचियों में निरावट आई है । प्रथम दृष्ट्या उक्त आवेदक को वास्तविक क्षति होने के बारे में कोई साक्ष्य नहीं है ।
- कारणात्मक संबंध का मूद्दा तभी उठता है जब सनान वस्तु के पाठन होना लिह्ने हो जाए और कोई वास्तविक क्षति प्रदर्शित होती है ।
- आवेदक ने जाँच अवधि के अंतिम 4 महीनों के अपर्याप्त और निर्धारित अनुनान आंकड़ों पर दिशावास किया है ।
- आवेदक ने जाँच अवधि के दौरान भारत में आर्थिक नंदी का संज्ञान नहीं लिया है ।
- आवेदक ने यह प्रकाट किया है कि जाँच अवधि के दौरान उक्तके लानों में वृद्धि हुई है जिसके कीमतों के न्यूनोकरण की स्थिति में होने की संभावना नहीं थी । इस प्रकार कीमतों में कोई ह्रास/न्यूनोकरण नहीं हुआ है जैसाकि बिना किसी पर्याप्त प्रनाल के आरोप लगाया गया है ।

### 3. नैसर्ज वेञ्चौ इष्ट ऑप्टिकल ग्लासेस क० लिं० चीन जनवादी गणराज्य (पूर्व)

- इष्ट एक प्राइवेट लिं० कंपनी है जो चीन में सन् 2001 में निर्गमित एक पंजीकृत हुई थी और एक ग्लास्टिक ऑथेटिक लैंसों की विनिर्माता है । इष्ट एक व्यापार अर्थव्यवस्था वाली कंपनी है ।

- \*\*\*\*\* अमेरिकी डालर प्रति जोडे को औसत दर पर ईस्ट द्वाश भारत को निर्यातित संबद्ध माल की जांच अवधि के दौरान कास्खानागत कीमत जांच अवधि के दौरान यथा उपरोक्त घरेलू बिक्री कीमत की न्यूनतम सीमा के बराबर अथवा भीतर है ।
- \*\*\*\*\* अमेरिकी डालर प्रति जोडे नमूनों के जोड़ों की औसत दर पर जांच अवधि के दौरान उत्पादन की लागत यथोक्त घरेलू बिक्री की मत से कम है ।
- चीन में विनिर्माता द्वारा जांच अवधि के दौरान की गई संबद्ध माल की सभी घरेलू विक्रिया व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में थी और इसलिये गोपनीय आंकड़े प्रस्तुत किये गये हैं । सामान्य मूल्य का निर्धारण जांच अवधि के दौरान चीन में संबद्ध नाल की घरेलू बिक्री कीमत के आधार पर की जाए और इससे यह प्रदर्शित होगा कि कोई पाटन नहीं हुआ है अथवा न्यूनतम सीमा के भीतर कोई पाटन मार्जिन नहीं है ।
- जांच अवधि 1 अप्रैल 2001 से 31 मार्च 2002 तक की है । यह निवेदन है कि जांच अवधि का दुनाव दोषपूर्ण है क्योंकि आवेदक ने अंतिम चार नहीं के अनुनानों पर ही विश्वास किया है और इस प्रकार संपूर्ण जांच अवधि के लिये प्रथम दृष्टया कोई पर्याप्त एवं यथार्थ आंकड़े प्रस्तुत नहीं किया गये हैं ।
- उल्लिखित क्षमताएं बचत की अन्तर्राष्ट्रीय मात्रा और ईस्ट की क्षमता से कम है । उक्त आवेदक की क्षमता डी.टी.ए. के संदर्भ में है और इस प्रकार उक्त आवेदक के पास निर्यातों के लिये व्यवनवद्ध क्षमता है ।

#### 4. मैसर्स वेडों मिंगडा आप्टिकल ग्लासेस क. लि चीन जनवादी गणराज्य

- मिंगडा एक निजी स्वामित्व वाली लिमिटेड कम्पनी है और यह लास्टिक और थ्रॉलिनिक लैंसों को विनिर्माता है । मिंगडा ने गोपनीय उत्तर में संगत गोपनीय आंकड़े प्रस्तुत किये हैं ।
- कच्ची सामग्रियों, प्रौद्योगिकी एवं श्रम लागत, उत्पादन बिक्रियों और निवेश संबंध कीनतों, लागतों और निविष्टियों के संबंध में मिंगडा के निर्णय आपूर्त एवं नांग को प्रदर्शित करने वाले बाजारी संकेतकों के संदर्भ में किये जाते हैं और निविष्टियों की लागत बाजार नुस्खों को प्रदर्शित करती है ।

- मिंगडा चीन के दिवालिया कानून/परिमापन कार्यवाहियों के अध्याधीन है और चीन में इस प्रकार की फर्म/कंपनियां दिवालिया/बंद हैं।
- भारत की तरह विनिमय दर चीन सेन्ट्रल बैंक द्वारा यथानिर्धारित बाजार दर पर आधारित हैं जो प्रश्नावती के कथित गोपनीय उत्तर के साथ प्रस्तुत गोपनीय आंकड़ों में प्रदर्शित हैं।
- मोंगडा का यह कहना है कि उसके पास आयात अथवा निर्यात करने के लिये लाइसेंस नहीं हैं और उसने जांच अवधि अर्थात् 1 अप्रैल 2001 से 31 मार्च 2002 के दौरान भारत अथवा अन्य देशों को संबद्ध माल का निर्यात नहीं किया है। मिंगडा का यह भी कहना है कि उसने उन निर्यातिकों को अन्य सामान् के साथ-साथ संबद्ध माल बेचा है जिसके पास निर्यात करने के लिये अपेक्षित लाइसेंस है और यह कि इस प्रकार की बिक्रियां मिंगडा की संबद्ध माल की घरेलू बिक्रियां मानी जाती हैं और वह प्रश्नावती के गोपनीय उत्तर के संगत गोपनीय परिशिष्टियों में जांच अवधि के दौरान भारत के उक्त निर्यातिकों को किये गये निर्यातों के बारे में कुछ गोपनीय आकड़े प्रदान कर रहा है।

मैसर्स ईस्ट एवं मैसर्स मिंगडा ने समान वस्तु के मुददे पर मैसर्स वुझां द्वारा यथा प्रस्तुत विचारों की पुनरावृत्ति की है।

#### ग. प्राधिकारी द्वारा जांच

निर्यातिकों, याचिकाकर्ता, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किये गये उपरोक्त अनुरोधों की जांच उन पर विचार और इन निष्कषा में उचित स्थान पर कार्रवाई उस सीमा तक की गई है जिस सीमा तक ये नियमों के अनुसार संगत हैं और इस मामले पर प्रभावकारी हैं।

#### 1. विचाराधीन उत्पाद

प्रीप्लाई नोट बॉर्ड फूंक्स एन्ड कॉम्पनी एवं इंडोनेशियन एन्ड ब्रॉडबैंड पालिलेसेस लि. हैदराबाद जो इंडियन प्लास्टिक ऑथेल्मिक लैंससे एसो० (आईपीओएलर) कर्नाटक का एक सदस्य है, द्वारा प्रस्तुत की गई है जिसने चीन जनवादी गणराज्य और चीन ताइपेई मूल के अथवा वहां से निर्यातित प्लास्टिक ऑथेल्मिक लैंसेंस (जिसे इसके पश्चात संबद्ध

वर्तमान जांच में याचिकाकर्ता सी आर 39 से निर्मित प्लास्टिक ऑथैलिमिक लेंसों का विनिर्माण एवं बिक्री रहे हैं। याचिकाकर्ता द्वारा विनिर्मित लेंसों का निर्माण बिस ऐलिल डाई-कार्बोनेट, जिसे आम तौर पर 1.498 रिफ्रैक्टिव इंडेक्स और 50 प्लस ए नम्बर युक्त सी आर 39 के रूप में जाना जाता है, से किया जाता है। ये लेंस पुराने ग्लास लेंसों के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले आधुनिक लेंस होते हैं। प्लास्टिक ऑथैलिमिक लेंसों का उपयोग मनुष्यों में दृष्टि को सुधारने के लिए किया जाता है। ये लेंस परिष्कृत, बिना कटे हुए रूप में चश्मों के फ्रेम में चढ़ाने के लिए आयात किए जाते हैं। उत्पादों का आई टी सी (एच एस) वर्गीकरण 9001.50 है जिस पर 30% सीमाशुल्क लगता है (2002 बजट)। उत्पाद ओ जी एल के अंतर्गत है।

कुछ अन्य प्लास्टिक वस्तुएं भी हैं जिनसे विभिन्न उद्देश्यों के लिए लेंसों का विनिर्माण किया जाता है, जिसमें ऑथैलिमिक लेंस भी शामिल है। इस प्रकार, प्रारंभिक अधिसूचना में, जांच के लिए सभी प्रकार के ऑथैलिमिक लेंशों को शामिल किया गया था। तथापि, हितबद्ध पार्टियों द्वारा, घरेलू उद्योग द्वारा अविनिर्मित तथा भिन्न प्रकार के गुणधर्मों तथा उपयोग वाले कुछ विशेष प्रकार के प्लास्टिक लेंसों को वर्तमान जांच के कार्यक्षेत्र से बाहर करने के लिए अनुरोध प्राप्त हुए हैं। प्राधिकारी इस संबंध में विभिन्न आयातकों/निर्यातकों द्वारा पॉलिमिथाइल मेथाक्रायलेट (पी एम ए) द्वारा विनिर्मित एक्रिलिक लेंसों तथा अन्य लेंसों जैसे पॉलिकार्बोनेट तथा विशिष्टता लेंसों जैसे एंटी-रिफ्लेक्शन, मल्टी कोटिंग, हाथझोफोबिक कोटिंग, एंटी-ई एम आई कोटिंग तथा एंटी-स्क्रैच कोटिंग वाले लेंसों को जांच से बाहर करने संबंधी अनुरोधों को नोट कर रहे हैं। विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा उल्लेख किया गया है कि एक्रिलिक लेंस सी आर-39 से भिन्न हैं क्योंकि उनका उत्पादन इंजेक्शन मोल्डिंग प्रक्रिया द्वारा किया जाता है, जबकि सी आर 39 का विनिर्माण कास्टिंग प्रक्रिया द्वारा किया जाता है। इसके अलावा, उत्पादन लागत में अंतर होने के कारण इन दोनों प्रकार के लेंसों की कीमतों में भी काफी अंतर है। यह उल्लेख किया गया है कि याचिकाकर्ताओं ने विशेष रूप से सी आर-39 लेंसों के बारे में

याचिका दायर की है जिनका उपयोग केबल दृष्टि में सुधार करने के लिए किया जाता है ।

यह भी उल्लेख किया गया है कि पी एम ए से निर्मित एक्रिलिक लेंसों का उपयोग मुख्य रूप से सन ग्लासों के लिए किया जाता है और इनकी तकनीकी विशेषताएं सी आर-39 की विशेषताओं से भिन्न होती हैं ।

जहाँ तक विशिष्ट लेंस जैसे एंटी रिफलेक्शन मल्टी कोटिंग, हाइड्रोफोबिक कोटिंग, एंटी ई.एम.आई. कोटिंग और एंटी-स्क्रैच कोटिंग का संबंध है, प्राधिकारी ने नोट किया कि यह बताया गया है कि केबल एंटी स्क्रैच/हार्ड लेंस ही घरेलू उद्योग द्वारा बनाए जाते हैं न कि अन्य तरह के । तथापि एक्रिलिक लेंसों की तरह इनका प्रयोग अलग अलग कार्यों में नहीं किया जाता है, इसलिए न तो इनके संबंध में सी आर-39 लेंस के समान वस्तु होने के बारे में कोई तर्क दिया गया है और न ही विशेष विशिष्टताओं के कारण समायोजन के संबंध में कोई परिमाण निर्धारित किया गया है ।

तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि सभी प्लास्टिक लेंसों का आयात सीमाशुल्क संख्या 9001.50 के अंतर्गत किया जा रहा है, जो चश्में के लेंसों के लिए होता है, जो अन्यथा दृष्टि सुधार के लिए निर्दिष्ट किए गए लेंस होते हैं । इस स्थिति में, ऐसा प्रतीत होता है कि सी आर 39 लेंसों से प्रतिस्पर्धा करने के लिए पी एम ए से विनिर्मित प्लास्टिक लेंसों को दृष्टि सुधार के लिए निर्दिष्ट लेंसों के रूप में प्रयोग में लाया जा सकता है, तथा आयात किया जा रहा है । इसलिए पी एम ए से निर्मित प्लास्टिक लेंसों को वर्तमान जाँच के दायरे से पूर्णतः अलग करना उचित नहीं होगा । तथापि इन नियातिकों द्वारा नियातित उत्पाद के प्रमाणन तथा उनकी तकनीकी तथा वाणिज्यिक प्रतिस्थापनीयता का निर्धारण होने तक, प्रारंभिक निर्धारण के उद्देश्य से, अंतिम निर्धारण होने तक पी एम ए लेंसों को विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र से बाहर रखा गया है ।

तदनुसार प्राधिकारी का मानना है कि इस जांच में "प्लास्टिक ऑर्थैल्मिक लेंस अर्थात् सी आर 39 लेंस जिन्हें हार्ड रेसिन लेंस अथवा समतुल्य कहा जाता है, शामिल हैं जिनका प्रयोग दृष्टि को सुधारने के लिए किया जाता है।" ये लेंस परिष्कृत, बिना कटे हुए रूप में होते हैं जो सीधे चश्मे के फ्रेम में लगाए जाने वाले होते हैं। इनका निर्माण बिस एलिल डाई-कार्बोनेट से किया जाता है जिसे सामान्यतः सी आर 39 अथवा समतुल्य के रूप में जाना जाता है। ये लेंस कांच के पुराने लेंसों के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले आधुनिक लेंस हैं। इन्हें सीमाशुल्क शीर्ष 9001-50 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है तथा जांच अवधि के दौरान ओ जी एल के अधीन 30% के मूल सीमाशुल्क के साथ आयात किया जा सकता है। प्राधिकारी ने हितबद्ध पार्टियं के दावे को नोट किया है कि पी एम एम ए द्वारा उत्पादित एक्रिलिक लेंसों तथा पॉलीकार्बोनेट लेंसों, जिनका प्रयोग अनियत उपयोगों अर्थात् धूप के चश्मे के लिए किया जाता है; वे सी आर 39 लेंसों, जिनका प्रयोग विनिर्दिष्ट दृष्टि सुधार के उद्देश्यों के लिए किया जाता है, के साथ परस्पर परिवर्तनीय एवं प्रतिस्थापनीय नहीं है। तथापि इन उत्पादों को जांचाधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र से अलग करने के मुद्दे पर उनकी परिवर्तनीयता तथा प्रतिस्थापनीयता के सत्यापन के आधार पर विचार किया जाएगा।

तथापि एंटी रिफ्लेक्शन मल्टी कोटिंग, हाइड्रोफोबिक कोटिंग, एंटी ई एम आई कोटिंग तथा एंटी स्क्रैच कोटिंग जैसे विशिष्ट लेंस जैसे विशिष्ट लेंस प्रारंभिक निर्धारण के उद्देश्य हेतु सत्यापन तथा अंतिम निर्धारण होने तक विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र में आते हैं, के पाठन का आरोप लगाया गया है। इस याचिका का समर्थन मैसर्स इंडियन प्लास्टिक ऑर्थैल्मिक लेंसेज एसो. द्वारा भी किया गया है जिसके अन्य सदस्य हैं - मैसर्स इंडियन ऑर्थैल्मिक कं. प्रा. लि., कर्नाटक और मैसर्स प्रकाश प्लास्टिक इंडस्ट्रीज मद्रास प्रा. लि., चेन्नई।

प्राधिकारी ने नोट किया कि पी एम एम ए द्वारा निर्मित एक्रिलिक लेंस, पॉलीकार्बोनेट लेंस, जिनका प्रयोग अनियत उपयोगों जैसे धूप के चश्मे आदि में किया जाता है, सी आर-39 लेंस के साथ परस्पर परिवर्तनीय और प्रतिस्थापनीय नहीं है, अतः वे विचाराधीन उत्पाद के कार्य क्षेत्र में नहीं आते हैं । जहां तक विशिष्ट लेंस जैसे एंटी रिफ्लेक्शन मल्टी कोटिंग, हाईड्रो-फोबिक कोटिंग, एंटी ई एम आई कोटिंग और एंटी-स्क्रैच कोटिंग का संबंध है, प्राधिकारी ने नोट किया कि यह बताया गया है कि केवल एंटी स्कार्च हार्ड लेंस ही घरेलू उद्योग द्वारा बनाए जाते हैं न कि अन्य तरह के परन्तु तथापि एक्रिलिक लेंसों की तरह न ही जिनका अलग-अलग कार्यों में प्रयोग किया जाता है तथा सी आर-39 लेंसों के साथ इन लेंसों का कोई तकनीकी या वाणिज्यिक प्रतिस्थापन नहीं है, बल्कि इन्हें विशेष प्रकार के लेंस जैसे एंटी रिफ्लेक्शन मल्टी कोटिंग हाईड्रो-फोबिक कोटिंग, एंटी-ई एम आई कोटिंग और एंटी स्क्रैच कोटिंग लेंसों के रूप में प्रयोग किया जाता है, इसलिए न तो इनके संबंध में सी आर-39 लेंस के समान वस्तु होने के बारे में कोई तर्क दिया गया है और न ही विशेष विशिष्टताओं के कारण समायोजन के संबंध में कोई परिमाण निर्धारित किया गया है ।

प्राधिकारी ने यह भी नोट किया कि यद्यपि एक्रिलिक लेंस और सी आर-39 लेंसों में कुछ हद तक समानता है परन्तु इस जांच के उद्देश्य से प्राधिकारी का यह मानना है कि केवल सी आर-39 लेंस विचाराधीन उत्पाद के अंतर्गत आते हैं । प्राधिकारी का यह भी विचार है कि हालांकि बगैर कांच की श्रेणी के सभी प्रकार के लेंसों के लिए एक ही सीमाशुल्क शीर्ष है इसलिए विचाराधीन उत्पाद का कार्य क्षेत्र सी आर-39 लेंस तक सीमित है ।

अतः प्राधिकारी का यह मानना है कि प्लास्टिक ऑर्थैल्मिक लेंस के रूप में विचाराधीन उत्पाद का प्रयोग मानव दृष्टि सुधार के लिए चश्मे में किया जाता है । ये लेंस परिष्कृत, बिना कटे हुए रूप में, सीधे चश्मे के फ्रेम में लगाए जाने वाले हो सकते हैं । ये जिस एलिल डाई-कार्बोनेट से बनाए जाते हैं जिन्हें सामान्यतः सी आर-39 के रूप में जाना जाता है और इनका रिप्रेक्टिव इंडेक्स 1.498 तथा 50 प्लस का एवे नम्बर होता है । ये लेंस कांच के पुराने लेंसों के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले आधुनिक लेंस हैं इन्हे सीमा शुल्क शीर्ष 9001-50 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है तथा जांच अधिक के दौरान 35% के मूल सीमा शुल्क के साथ ओ जी एल के अधीन आयात किया जा सकता है । पी एम एम ए द्वारा निर्मित सक्रिलिक लेंस तथा पॉलीकार्बोनेट लेंस जिनका प्रयोग मुख्यतः धूप के चश्मे के लिए किया जाता है, को प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ अंतिम निर्धारण

होने तक विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्राधिकार से अलग रखा गया है। एंटी रिफ्लेक्शन मल्टी कोटिंग हाइड्रो फोब्रिक कोटिंग, एंटी ई एम आई कोटिंग तथा एंटी-स्क्रैच कोटिंग जैसे विशिष्ट लैंस प्रारंभिक निर्धारण के उद्देश्य हेतु अंतिम निर्धारण होने तक विचाराधीन उत्पाद के कार्य क्षेत्र में आते हैं।

## 2. समान वस्तु

पाटनरोधी संबंधी करार के अनुच्छेद 2.6 में 'समान वस्तु' की परिभाषा इस प्रकार दी है—"समान वस्तु एक ऐसी वस्तु है, जो हर प्रकार से विचाराधीन उत्पाद के सदृश है अथवा इस प्रकार के उत्पाद के अभाव में दूसरा उत्पाद जो हालांकि सभी तरफ से समान नहीं है, जिसमें विचाराधीन वस्तुओं से काफी मिलती-जुलती विशेषताएं हैं। निर्यातक देशों में समान वस्तु की पहचान की जल्लरत उस देश में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में उत्पाद को सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए पड़ती है।

याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है और प्राधिकारी यह बात नोट करते हैं कि उनके द्वारा उत्पादित माल संबद्ध देशों उत्पादित एवं निर्यातित माल के समान हैं। सी आर 39 लैंसों का आयात पीआर चीन से किया गया है जिसका विनिर्माण एक सहयोगी निर्यातक अर्थात मैसर्स वाई एंड एस (तियांजिन) इंडस्ट्रीज़ द्वारा किया गया है और इस श्रेणी के लिए स्वदेश में उत्पादित प्रतिस्थापनीयता कर एवं निर्यातित माल का विरोध नहीं किया गया है। अन्य तीन निर्यातक अर्थात वेन्डों ईस्ट, वेन्डों वुस एवं वेन्डों मिंगडा ने सूचित किया है कि वे पी एम से निर्मित सामान का उत्पादन एवं निर्यात करते हैं जो याचिकाकर्ताओं द्वारा सी आर 39 से विनिर्मित करेक्टिव लैंसों से तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से भिन्न है। अतः उन्होने यह दावा किया था कि उनके उत्पाद याचिकाकर्ताओं द्वारा विनिर्मित उत्पादों का तकनीकी व वाणिज्यिक प्रतिस्थापन नहीं है अथवा इनकी अदला-बदली नहीं की जा सकती। इन अनुरोधों पर विचार करते हुए प्राधिकारी ने इस जांच को केवल सीआर 39 से निर्मित प्रेस्क्रिप्टिव/करेक्टिव प्लास्टिक ओथल्मिक लैंसों तक सीमित किया है। तथापि, प्राधिकारी यह बल नोट करते हैं कि एक्रेलिक लैंसों और अन्य सामग्रियों (सी आर 39 से भिन्न) से निर्मित लैंसों का आयात सीमा शुल्क टैरिफ शीर्ष 9001.50.00 के अंतर्गत किया गया है (जो मूल रूप से नज़र

के लैंसों के लिए है और जिसमें धूप छाया तथा अन्य गैर-ओष्ठाल्मिक शीशे शामिल नहीं हैं जो अन्यत्र शामिल हैं) अतः चीन के तीन निर्यातकों का यह दावा कि वे केवल पी एम ए लैंसों का उत्पादन एवं निर्यात रहे हैं और यह कि उनके द्वारा निर्यातित/आयातित लैंसों का उपयोग करेकिट्व आष्ठाल्मिक प्रयोग के लिए नहीं किया जाता है, पूर्ण रूप से सही प्रतीत नहीं होता है।

प्राधिकारी ने अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए निवेदनों तथा संबद्ध देशों की वस्तुओं और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुओं के परस्पर प्रतिस्थापन को ध्यान में रखते हुए निर्यातित संबद्ध वस्तुओं तथा घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं को प्रारंभिक निर्धारण जो अभी अंतिम निर्धारण होने तक लंबित है, के लिए नियम 2(घ) के अनुसार समान वस्तु माना है।

### 3. घरेलू उद्योग

इंडियन प्लास्टिक ऑष्ठेल्मिक लैंस एसो., (आई.पी.ओ.एल.ए.) कर्नाटक के एक सदस्य मै. टेकट्रान पोलीलैंसिज लि., हैदराबाद ने घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर की है जिसमें चीन जनवादी गणराज्य और चीन ताईपेई (इसके पश्चात संबद्ध देशों के रूप में उल्लिखित) मूल के अथवा वहां से निर्यातित प्लास्टिक ऑष्ठेल्मिक लैंसों (इसके पश्चात संबद्ध वस्तुओं के रूप में उल्लिखित) के पाठन के आरोप लगाया गया है। याचिका का मै. इंडियन प्लास्टिक ऑष्ठेल्मिक लैंस एसोसिएशन ने भी समर्थन किया है जिसके अन्य सदस्य, मै. इंडियन ऑष्ठेल्मिक लैंसिज मैन्यूफैक्चरिंग कं. प्रा. लि. कर्नाटक और मै. प्रकाश प्लास्टिक इंडस्ट्रीज (मद्रास) प्रा. लि., चैन्नई है।

प्राधिकारी ने यह भी नोट किया है कि मै. टेकट्रान पोलीलैंसिज लि., जिसने अन्य याचिकाकर्ताओं के साथ मिलकर याचिका दायर की है, उनका कुल घरेलू उत्पादन में लगभग 90% (टेकट्रान की घरेलू बिक्री हकदारी की ओर अन्य याचिकाकर्ताओं की उत्पादन क्षमता के आधार पर) इसलिए वह पाठनरोधी नियमावली के नियम 5(3)(क) और (ख) के अनुसार घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने तथा नियम 2 (ख) के अनुसार घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करने की स्थिति में है। इस तथ्य से कि मै. टेकट्रान 100 प्रतिशत निर्यातोन्मुख यूनिट है वे नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग के कार्यक्षेत्र से अलग नहीं होते हैं। यह तथ्य कि देश की आयात निर्यात नीति के

अनुसार इस निर्माता को घरेलू टेरिफ क्षेत्र में वस्तुएं बेचने की अनुमति थी तथा उसके द्वारा संबद्ध वस्तुओं की घरेलू बिक्री जांच अवधि के दौरान की गई थी, उन्हे नियम 2(ख) अनुसार घरेलू उद्योग का एक भाग होने की अर्हता प्रदान करता है। यदि याचिका के विरोधी का यह तर्क कि मैसर्स टेक्नोकैम पालिलैंसिस लि. एक 100% निर्यातोन्मुख एकक है स्वीकार कर भी लिया जाए तो याचिका का समर्थन दे रहे अन्य दो याचिकाकर्ताओं की उत्पादन क्षमता ने वांछित जरूरतों को पूरा कर दिया था। ऐसी स्थिति में 100% निर्यातोन्मुख एकक की विशिष्ट बिक्री की हकदारी को घरेलू क्षमता और उत्पादन दोनों दृष्टि से नकार दिया जाएगा और अन्य दो उत्पादकों की 1.625 मिलियन पेयर की संयुक्त उत्पादन क्षमता घरेलू उत्पादन के 50% से अधिक बनती है, जो वांछित जरूरत पूरा करती है। अतः प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि याचिकाकर्ताओं के पास घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने का आधार है।

#### 4. सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत

धारा 9 क(1)(ग) के अनुसार किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अभिप्राय यह है कि:

- (i) सामान्य व्यापार के दौरान सामान वस्तुओं के लिए उप-धारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिश्चित तुलनात्मक मूल्य जबकि ऐसी वस्तु निर्यातक देश या क्षेत्र में उपभोग के लिए आशयित हो, या
- (ii) जहां निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तु की कोई बिक्री नहीं हो या विशेष दशा के कारण अथवा निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में बिक्रीयों की कम मात्रा के कारण ऐसी बिक्रीयों की वजह में समुचित तुलना नहीं हो सकता हो तो सामान्य मूल्य या तो:-

(क) निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से आयात किए जाने पर समान वस्तु का उपधार (6) के अंतर्गत बने नियम के अनुसार यथानिश्चित तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य; या

(ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिश्चित प्रशासनिक बिक्री और सामान्य लागतों एवं लाभों के लिए उचित वृद्धि के साथ वस्तु मूल के देश में उक्त वस्तु के उत्पादन की लागत;

"बशर्ते कि वस्तु का आयात जब मूलता के देश से भिन्न अन्य किसी देश से किया गया हो तथा जहां वस्तु निर्यात के देश से केवल गुजरी हो या ऐसी वस्तु निर्यात के देश में उत्पादित नहीं होती हो या निर्यात के देश में उसका कोई तुलनात्मक मूल्य नहीं हो तो इसके सामान्य मूल्य का निर्धारण मूलता के देश में इसके मूल्य के संदर्भ में किया जाएगा ।"

सामान्य मूल्य और कारखाना स्तर पर निर्यात कीमत का निर्धारण नीचे सोदाहरण दिया गया है ।

### सामान्य मूल्य

#### क. चीन जनवादी गणराज्य

i) मै. वैङ्गो ईस्ट ऑप्टिकल ग्लासेस कं. लि., मै. वैङ्गो वुझा ग्रुप क. लि. तथा मै. वैङ्गो मिंगडा ऑप्टिकल ग्लासेस क. लि.

उत्पादक/निर्यातक नामतः मै. वैङ्गो वुझा ग्रुप क. लि. और मै. वैङ्गो मिंगडा ऑप्टिकल ग्लासेस क. लि. के संबंध में प्रतिवादियों का यह दावा प्राधिकारी ने नोट किया है कि उन्होंने पी.एम.एम.ए. निर्मित एक्रिलिक लेंस निर्यात किए हैं जिनकी सीआर 39 किस्म के लेंसों से भिन्न निर्माण प्रक्रिया है । दोनों प्रकार के लेंसों की लागत और मूल्य में पर्याप्त अंतर होता है तथा इन

दोनो लेंसों का प्रयोग भिन्न-भिन्न प्रकार के कार्यों में होता है। इस जांच और विशेष रूप से इस जांच के दायरे में अन्य लेंसों (सीआर 39 से भिन्न) को शामिल करने अथवा मुद्रे को बाहर रखने के प्रयोजनार्थ समान वस्तु के प्रश्न पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न निवेदनों की जांच करते हुए, प्राधिकारी यह बात नोट करती है कि सीमा शुल्क टैरिफ मद संख्या 9001.50.00 जिसके अंतर्गत संबद्ध देशों से अधिकांश आयात हुए हैं, को अन्य सामग्रियों के स्पेक्टिकल लेंस " पढ़ा जाए। इसका अन्य अर्थ के साथ-साथ यह अर्थ है कि शीशे से भिन्न किसी सामग्री से बना कोई लेंस जो स्पेक्टिकल लेंसों के रूप में प्रयोग करने के लिए समय है इस टैरिफ संख्या में शामिल हैं। इन निर्यातकों और आयातकों का यह दावा रहा है कि पीएमएमए लेंस गुणवत्ता में सीआर 39 से घटिया होते हैं और आमतौर पर इनका उपयोग सनगभास के लिए किया जाता है। यदि यह मामला है तो, पीएमएमए के आयातों को टैरिफ संख्या 9001.50.00 में। किंतु टैरिफ संख्या 9001.50.00 के अंतर्गत डीजीसीआईएस के आंकड़ों में पर्याप्त आयात दर्शाया गया है। अतः इन निर्यातकों का यह दावा कि उन्होंने जांच अवधि के दौरान केवल पीएमएमए लेंसों का निर्यात किया था न कि सीआर 39 लेंसों का, जांच किए जाने की जरूरत है। इसके अलावा, अभिलेखों में ऐसे कोई साक्ष्य नहीं है, जिससे यह सिद्ध किया जा सके कि इन निर्यातकों द्वारा भारत को निर्यातित लेंस पीएमएमए से विनिर्मित हैं न कि सीआर 39 से। इसलिए प्राधिकारी यह मानते हैं कि इन निर्यातकों द्वारा निर्यातित माल प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ समान वस्तु है और वह सामान्य मूल्य का निर्धारण करने की कार्रवाई करते हैं।

प्राधिकारी यह बात नोट करते हैं कि उपर्युक्त उत्पादकों/निर्यातकों ने यह सूचित किया है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था सिद्धांत पर कार्य कर रहे हैं। इन निर्यातकों ने इस बारे में विशिष्ट प्रश्नावली का उत्तर दिया है।

मैसर्स वैंडो ईस्ट आप्टिकल क. लि.

निर्यातक ने यह दावा किया है कि कच्ची सामग्रियों के आयात पर कोई प्रतिबंध नहीं है और (पीएमएमए) का उत्पादन सुमितोमो कैमिकल्स, सिंगापुर उत्पादन स्थानीय ख्रोत से दीर्घावधि संविदाओं के जरिए किया जाता है और उपयोगी वस्तुओं की खरीद बाजार दरों पर स्थानीय वस्तुएं

प्रदाताओं से की जाती हैं । निर्यातक ने यह सिद्ध करने के लिए प्रकाशित कोई तुलन-पत्र और लेखा-परीक्षित दस्तावेज़ प्रस्तुत नहीं किया है कि कंपनी बाजार अर्थव्यवस्था सिद्धांत के अंतर्गत कार्य कर रही है । जहां तक कंपनी की बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति के निर्धारण के लिए अन्य मानदंडों का संबंध है, प्रतिवादी में चीन जन.गण. के विभिन्न कानूनों की प्रतियां प्रस्तुत की हैं । किंतु जिसे सीमा और ढंग से इन कानूनों को लागू और इनका पालन किया जा रहा है उसकी पुष्टि जांच किए बिना प्रस्तुत उत्तर से नहीं की जा सकती है । इस संबंध में प्राधिकारी, कस्टम अधिसूचना संख्या 44/99 (एनटी) दिनांक 15 जुलाई 1999, 28/2001(एनटी) दिनांक 31 मई 2001 तथा 1/2001 (एनटी-कस्टम) दिनांक 4 जनवरी 2002 के साथ पाठित पाटनरोधी नियमावली में यथाउल्लिखित गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के प्रावधानों का स्मरण करते हैं । इसके अलावा, भारत को किए गए निर्यात संबंधी बीजकों में निर्यातित लेंसों की मूल सामग्री का उल्लेख नहीं किया गया है । इसलिए यह निष्कर्ष निकालना निर्मित थे । इसके अतिरिक्त, निर्यातक द्वारा प्रदत्त कच्ची सामग्रियों की लागत व विनिर्माण लागत संबंधी आंकड़ों की पुष्टि दस्तावेजी साक्ष्य द्वारा नहीं की गई है । अतः प्राधिकारी अंतिम जांच और निष्कर्ष तक यह मानते हैं कि विशेष बाजार दशा विद्धमान है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करते हैं । परिकलित सामान्य मूल्य अंतिम निर्धारण होने तक प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ \*\* \*\* डॉलर / जोड़ी बनती है ।

### मैसर्स वैंडो मिगडा ऑप्टिकल कं. लि.

यह एक विनिर्माता कंपनी है जिसके पास निर्यात अथवा आयात करने का लाइसेंस नहीं है और यह अपने उत्पादों का निर्यात भारत को वैंडों वैंडों ग्रुप क. लि. के जरिए करता है । इन्होंने बाजार अर्थव्यवस्थ की स्थिति के बारे में विशिष्ट प्रश्नावली का उत्तर भी दिया है और यह सूचित किया है कि वह अपनी सभी कच्ची सामग्रियां घरेलू उत्पादकों अथवा डीलरों से दीर्घावधि संविदाओं के जारिए अथवा सीधे बाजार से प्राप्त करते हैं । कंपनी की उत्पादन लागत एवं बाजार उन्मुखता संबंधी अन्य उत्तर मैसर्स वैंडो ईस्ट द्वारा प्रस्तुत उत्तर क समान है इसलिए यहां पुनः नहीं दिया गया है । प्रतिवादी ने यह यहां पुनः नहीं दिया गया है । प्रतिवादी ने यह सिद्ध करने के लिए चीन जन.गण. के विभिन्न कानूनों की केवल प्रतियां प्रस्तुत की हैं कि कंपनी बाजार द्वारा संचालित कंपनी है जिसकी पुष्टि अपने निजी प्रकाशित दस्तावेजों द्वारा नहीं की गई है । अतः उपर्युक्त विशेष बाजार

दशा को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी उपलब्ध तथ्यों के अनुसार सामान्य मूल्य का परिकलन करने की कार्रवाई करते हैं। परिकलित सामान्य मूल्य अंतिम निर्धारण होने तक प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ \*\* \*\* डॉलर जोड़ी बनता है।

### मैसर्स वेंडौ वेंडौ ग्रुप कं. लि.

एक व्यापारिक कंपनी होने के कारण यह अन्य दो कंपनियों द्वारा विनिर्मित माल का निर्यात कर रही है और इसने इन कंपनियों के लागत संबंधी आंकड़ों पर विश्वास किया है। चूंकि संबंधित विनिर्माताओं के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया जा रहा है इसलिए वह इस निर्यातक पर भी लागू होगा।

### निर्यात मूल्य

प्राधिकारी ने जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं के आयातकों, द्वारा दिए गए प्रत्युतर के आधार पर निर्यात मूल्य निर्धारित किया है। प्राधिकारी ने अंतर्देशीय भाड़े समुद्री भाड़े, पत्तन खर्च, कमीशन और अन्य व्ययों के संबंध में निर्यातक तथा आयातक द्वारा प्रदत्त आंकड़ों के आधार पर क्रमशः \*\* \*\*, \*\* \*\*, \*\* \*\*, \*\* \*\*, तथा \*\* \*\* डालर/जोड़ा समायोजन की अनुमति दी है। कमीशन के समायोजन पर \*\* \*\* प्रतिशत तक की सीमा तक विचार किया जा सकता है क्योंकि माल व्यापार धराने के माध्यम से निर्यात किया गया है।

कारखाना द्वारा निर्यात कीमत \*\* \*\* डालर/जोड़ा बनती है।

### मै. वाई एंड एस (तेनजीन) इंडस्ट्रीज लि., जनवादी गणराज्य चीन

### सामान्य मूल्य

प्राधिकारी ने नोट किया है कि उत्पादक ने जांच अवधि के दौरान सीआर 39 लेंस निर्यात किए हैं और इस जांच प्रक्रिया में सहयोग देने के लिए सहमत हुआ है। उत्पादक ने उत्पादन लागत के ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं परंतु जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं के घरेलू विक्रय मूल्य प्रस्तुत नहीं किए हैं। प्राधिकारी ने उल्लेख किया है कि उत्पादक ने बताया है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था सिद्धांत पर कार्य कर रहे हैं परंतु उन्होने इस संबंध में विशेष रूप से कस्टम अधिसूचना सं. 44/99 (एनटी) - दिनांक 15 जुलाई, 1999, 28/2001/(एनटी) दिनांक 31 मई 2001 तथा 1/2001 (एनटी-कस्टम) दिनांक 4 जनवरी 2002 के साथ पाठित पाटन रोधी नियमावली में यथानिर्धारित चार मानदंडों के संबंध में कोई विशिष्ट साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है। निर्यातक ने उसका भेजी गई विशिष्ट प्रश्नावली का भी उत्तर नहीं दिया है जिसमें उसकी बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी स्थिति के बारे में सूचना मांगी गई है। प्राधिकारी इस बारे में यह बात भी नोट करते हैं कि अमरीका को जनवादी गणराज्य चीन द्वारा दिनांक 22.6.2001 को स्टील कंकरीट रिन्फोरसिंग बार निर्यातों के दिनांक 30.6.2001 के चीन द्वारा ईयू को साइकिल निर्यातों के और यूरोपीय संघ को चीन द्वारा नान प्रोजेक्ट सेव जूस निर्यात करने के दिनांक 13.4.2002 के मामलों में चीन को गैर बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में माना गया है। अनुमानों का खण्डन करने में निर्यातक की असफलता को देखते हुए उपर्युक्त यथा उल्लिखित विशेष बाजार दशा को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने इस निर्यातक के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण करने की कार्रवाई की है।

प्राधिकारी ने अंतिम निर्धारण होने तक प्रारंभिक निर्धारण के सामान्य मूल्य को <sup>\*\*</sup> <sup>\*\*</sup> डालर/जोड़ा के रूप में परिकल्पित किया है। तथापि, प्राधिकारी ने उल्लेख किया है कि निर्यातक ने संबद्ध वस्तुओं के निर्माण में प्रयोग के लिए कच्ची सामग्री के अंतर्राष्ट्रीय मूल्य तथा संबंध वस्तुओं की पैकिंग की उचित लागत के संबंध में साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं। प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के संदर्भ हेतु जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं की उत्पादन लागत ठीक प्रकार से परिकलित करने के लिए इन लागत घटकों और घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराए गए अन्य लागत घटकों पर विचार किया है। उत्पादन लागत के ब्यौरे पर सीमाशुल्क अधिसूचना संख्या 44/99 (एनटी) दिनांक 15 जुलाई 1999, 28/2001 (एनटी कस्टम) दिनांक 4 जनवरी 2002 के पठित पाटन रोधी नियमावली के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तुओं की उत्पादन लागत के आधार पर विचार किया।

## निर्यात मूल्य

प्राधिकारी ने जांच अधिकारी के दौरान संबद्ध वस्तुओं के आयातकों, मै. एंटरप्राईज़ ट्रेडिंग कंपनी द्वारा दिए गए प्रत्युत्तर के आधार पर निर्यात मूल्य निर्धारण किया है। प्राधिकारी ने अंतर्देशीय भारतीय समुद्री भाड़े, पत्तन खर्च, कमीशन और अन्य व्ययों के संबंध में निर्यातिक तथा आयातक द्वारा प्रदत्त आंकड़ों के आधार पर क्रमशः \*\* \*\*, \*\* \*\*, \*\* \*\*, \*\* \*\*, \*\* \*\*, तथा \*\* \*\* डालर/जोड़ा समायोजन की अनुमति दी है। कमीशन के समायोजन पर \*\* \*\* प्रतिशत तक की सीमा तक विचार किया जा सकता है क्योंकि माल व्यापार घराने के माध्यम से निर्यात किया गया है।

चीन जनवादी गणराज्य के असहयोग/उत्पादकों/निर्यातकों का मूल्यांकन

## सामान्य मूल्य

चीन के उपर्युक्त निर्यातकों को छोड़कर किसी भी निर्यातिक/ उत्पादक ने उत्तर नहीं दिया है । उत्तर देने वाले पक्षकारों में से केवल एक निर्यातिक अर्थात मैसर्स वाई एंड एस (तियांजिन) इंडस्ट्रीज लि., चीन जन. गण. ने सीआर 39 के बारे में में कतिपय आंकड़े प्रदान किए हैं और अन्य ने दाया किया है कि वे केवल पीएमएमए का विनिर्माण एवं निर्यात करते हैं । अतः सामान्य मूल्य का परिकलन करने के लिए अन्य प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा प्रदत्त आंकड़ों को हिसाब में नहीं लिया गया है । बतः प्राधिकारी ने इन निर्यातकों/उत्पादकों के लिए भी सहयोगी उत्पादकों के लितए अपनाए गए परिकलित सामान्य मूल्य का संदर्भ लिया है ।

प्राधिकारी ने नोट किया है कि उत्पादक ने जांच अवधि के दौरान सीआर 39 लैंस निर्यात किए हैं और इस जांच प्रक्रिया में सहयोग देने के लिए सहमत हुआ है। उत्पादक ने उत्पादन लागत के लिए प्रस्तुत किए हैं परंतु जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं के घरेलू विक्रय मूल्य प्रस्तुत नहीं किए हैं। प्राधिकारी ने उल्लेख किया है कि उत्पादक ने बताया है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था सिद्धांत पर कार्य कर रहे हैं परंतु उन्होंने इस संबंध में विशेष रूप से कस्टम अधिसूचना

अतः सामान्य मूल्य को \*\*\*\* डालर/जोड़े के रूप में उल्लेख किया गया है ।

### निर्यात मूल्य

इन निर्यातकों / उत्पादकों के लिए प्राधिकारी ने आयातक मै. एंटरप्राईज़ ट्रेडिंग कं. द्वारा दिए गए उत्तर में से न्यूनतम निर्यात मूल्य पर विचार किया है । आयातक के उत्तर के अनुसार इनके लिए न्यूनतम सी आई एफ मूल्य \*\*\*\* डालर / जोड़ा । अन्तर्देशीय भाड़े, समुद्री भाड़े, पत्तन खर्चों, कमीशन तथा समुद्री बीमें पर क्रमशः \*\*\*\*, \*\*\*\*, \*\*\*\*, \*\*\*\* तथा \*\*\*\* डालर / जोड़े तक के समायोजन की व्यवस्था की गई है ।

कारखाना द्वार पर निर्यात मूल्य \*\*\*\* डालर / जोड़ा परिकलित होता है ।

### (ग) ताईवान के सभी उत्पादकों / निर्यातकों का निर्धारण

#### सामान्य मूल्य

प्राधिकारी नोट करते हैं कि ताईवान से संबद्ध वस्तुओं के किसी भी निर्यातक / उत्पादक ने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना का जवाब नहीं दिया । इसलिए प्राधिकारी ने ताईवान के इन निर्यातकों / उत्पादकों के लिए उपर्युक्त पैरा में बताए गए अनुसार, उत्पादन की परिकलित लागत का संदर्भ लिया है ।

अतः सामान्य मूल्य \*\*\*\* डालर / जोड़े का संदर्भ लिया है ।

### निर्यात मूल्य

प्राधिकारी नोट करते हैं कि ताईवान के किसी भी निर्यातक / उत्पादक तथा आयातक से भी कोई जवाब नहीं आया है, इसलिए, पाटनरोधी नियमावली के 6(8) के अनुसार उपलब्ध

सूचना पर विचार किया गया है। निर्यात मूल्य के मूल्यांकन के प्रयाजनार्थ वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एण्ड एस) के आधार पर सी आई एफ निर्यात कीमत का संदर्भ लिया गया है। देशीय भाड़े, समुद्री भाड़े, पत्तन खर्च, कमीशन तथा समुद्री बीमा के संबंध में \*\*\*\*, \*\*\*\*, \*\*\*\*, \*\*\*\* तथा \*\*\*\* डालर / जोड़ा तक के समायोजन की अनुमति दी गई है ताकि कारखाना द्वार स्तर निर्यात मूल्य का मूल्यांकन किया जा सके।

कारखाना द्वार स्तर पर निर्यात मूल्य \*\*\*\* डालर / जोड़ा बनता है।

### 5. पाटन - सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत में तुलना

तुलना से संबंधित नियम में निम्नानुसार व्यवस्था है :-

"पाटन का मार्जिन निकालते समय, निर्दिष्ट प्राधिकारी निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य के बीच उचित तुलना करेगा। यह तुलना व्यापार के उसी स्तर पर सामान्यतः कारखाना द्वार स्तर पर की जाएगी और यथासंभव उसी समयावधि के दौरान की गई बिक्रियों के संबंध में की जाएकी। जो अंतर तुलनीयता पर प्रभाव डालते हैं, उनके लिए प्रत्येक मामले में उण्डोष के आधार पर समुचित छूट दी जाएगी; अंतर में शामिल है बिक्री की शर्तें, कराधान, व्यापार के रत्तर, मात्राएं, भौतिक विशेषताएं तथा अन्य अंतर जो कीमत तुलनीयता को प्रभावित करने के लिए प्रदर्शित किए जाते हैं।"

संबद्ध देश के सभी निर्याताकों / उत्पादकों के लिए प्राधिकारी ने जांच की अवधि के दौरान पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के उद्देश्य से भारित औसत सामान्य मूल्य की तुलना भारित औसत कारखाना द्वार स्तर पर निर्यात कीमत के साथ की है।

निर्यातकों/उत्पादकों का पाटन मार्जिन निम्न प्रकार से है :-

क्र. सं.	निर्यातक/उत्पादक	कारखाना द्वारा स्तर पर निर्यात मूल्य (डॉलर/जोड़ा)	सामान्य मूल्य (डालर/जोड़ा)	नि. कीमत के % के रूप में प्राटन मार्जिन
1.	चीन जन. गण.			
	1. वाई. एस. (तियानजिन) इंडस्ट्रीज़ लि.	****	****	26.49
	2. अन्य उत्पादक/निर्यातक	****	****	213.13
2.	ताइवान ताइवान से सभी उत्पादक / निर्यातक	****		233.75

## 6. क्षति

उपर्युक्त नियम 11 अनुबंध-II के तहत जब क्षति के बारे में किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जाता है तो इस प्रकार के निष्कर्ष में "पाटित आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में समान वस्तुओं की कीमत पर उनके प्रभाव तथा इस प्रकार की वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों पर विचार करते समय यह जांच करना आवश्यक समझा जाता है कि पाटित आयातों के कारण भारत में समान वस्तुओं की कीमत की तुलना में कोई उल्लेखनीय गिरावट आयी है अथवा कीमत वृद्धि में अन्यथा रुकावट आयी है जो कि अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक बढ़ गई होती ।"

भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए उक्त नियमावली के अनुबंध-II (iv) के अनुसरण में ऐसे संकेतकों पर विचार किया गया है जो उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालते हैं जैसे उत्पादन, क्षमता का उपयोग, बिक्री की मात्रा, भंडार, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन इत्यादि ।

उन घरेलू उत्पादकों के मामले में, जिन्होंने याचिका दायर की है तथा उसका समर्थन किया है, प्राधिकारी ने निम्नलिखित आर्थिक मापदण्डों को नोट तथा उनका अनुपालन किया है :-

	1999-2000	2000-2001	2001-2002 (जांच अवधि)
घरेलू क्षमता(जोड़ा)	26,25,000	26,25,000	26,25,000
उत्पादन (जोड़ा)	943695	1513992	1781265
क्षमता का उपयोग (%)	36%	57%	67%
घरेलू बिक्री (जोड़ा)	432934	995479	1084573
उत्पादन बिक्री	46%	66%	61%
चीन से आयात (जोड़ा)	475585	550319	872400
ताइवान से आयात (जोड़ा)	414805	397593	623534
कुल आयात (जोड़ा)	2025705	1623482	2154880
मांग (जोड़ा)	2458639	2618961	3239453
मांग के % के रूप में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा (%)	17%	38%	33%
मांग के % के रूप में चीन का बाजार हिस्सा (%)	19.34	21.01	26.93%
मांग के % के रूप में ताइवान का बाजार हिस्सा (%)	16.87	15.18	18.45%
कुल आयात के % के रूप में चीन का बाजार हिस्सा (%)	23.47	33.89	40.48%
कुल आयात के % के रूप में ताइवान का बाजार हिस्सा (%)	20.47	24.49	28.93%
घरेलू उद्योग का निवल बिक्री (रु./जोड़ा)	***	***	***

\* मै. टेक्सन पोलिलेन्सेज की घरेलू बिक्री हकदारी पर आधिरित

(i) प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि घरेलू उद्योग के उत्पादन, क्षमता उपयोगिता तथा घरेलू बिक्री में 1999-2000 से 2001-2002 तक समग्र रूप में वृद्धि हुई है तथापि यह स्थापित क्षमता से काफी कम रही है। एक याचिकाकर्ता अर्थात् मै. टेकट्रान लगभग 85% क्षमता पर प्रचालन कर रहा है और अपने निर्यात दायित्वों को बनाये हुए है। परन्तु संबद्ध देशों से पाठन के कारण गिरती हुई कीमतों के चलते, वह कई वर्षों से अपनी घरेलू बिक्री हकदारी (निर्यातों का 50%) का प्रयोग करने में असमर्थ रहा है। विचाराधीन अवधि के लिए उसकी वास्तविक घरेलू बिक्रियां सामान्य घरेलू बिक्री हकदारी की लगभग 50% रही हैं जिससे भण्डार सूची में भारी वृद्धि हुई है। एक अन्य याचिकाकर्ता मै. इंडियन ऑथैलिक्मक्स दिन में केवल आधी शिफ्ट में ही प्रचालन कर रहा है और अपनी क्षमता का केवल आधा उत्पादन करता है ताकि भण्डार सूची में वृद्धि न हो क्योंकि घरेलू बाजार पाटित आयातों के मात्रात्मक तथा कीमत दोनों प्रभावों के कारण मंदी के दौर से गुजर रहा है।

(ii) क्षमता उपयोग 70% से कम रहा है। यद्यपि 2000-01 और 2001-02 के बीच इसमें मामूली वृद्धि हुई है किन्तु इस अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन में गिरावट आई है।

(iii) वर्ष 1999-2000 से 2001-2002 तक संबंध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों में समग्र रूप से वृद्धि हुई है और मांग और कुल आयातों के प्रतिशत के रूप में भी बढ़ोतरी हुई है।

(iv) घरेलू उद्योगों का बाजार हिस्सों में पाटित आयातों के कारण वर्ष 2001-2002 में कमी हुई है।

(v) पाटित आयातों के कारण कीमत में कटौती हुई है तथा घरेलू उद्योगों की कुल बिक्री प्राप्तियां जांच अवधि के दौरान क्षति रहित कीमतों से कम रही जिससे कम कीमत पर बिक्री की गई तथा घरेलू उद्योग को वित्तीय नुकसान हुआ।

(vi) संबद्ध वस्तु की मांग में वर्ष 1999-2002 की तुलना में वर्ष 2001-2002 में वृद्धि हुई है । इस प्रकार यह घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण बर्ही रहा है ।

(vii) एक याचिकाकर्ता जांच अवधि समेत पिछले सीम वर्षों के लिए संचयी नकद घाटे दिखा रहा है तथा अधिकतर निर्यात से प्राप्त आय के जारिए अपनी वित्तीय स्थिति में सुधार कर रहा है, जबकि वस्तु सूची में वृद्धि हो रही है क्योंकि संबद्ध देशों से पाटन द्वारा घरेलू बिक्रियों पर प्रभाव पड़ा है ।

## 7. कारणात्मक संबंध

प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के सिद्धांत (v) के अनुसार जांच की है । नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iv) में निर्दिष्ट संगत संकेतों की प्राधिकारी द्वारा जांच की गई है ।

प्राधिकारी ने याचिकाकर्ताओं तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा कारणात्मक संबंध के बारे में व्यक्त विचारों पर विचार किया है, जिसका धर्णन पूर्ववर्ती पैराग्राफों में किया गया है । उपर्युक्त विभिन्न आर्थिक मापदंडों की जांच करने के पश्चात प्राधिकारी निम्नलिखित निष्कर्ष पर पहुंचे हैं :

- (i) संबद्ध वस्तुओं का संबद्ध देशों से आयातों में पूर्ण अर्थों में तथा भारत में कथित वस्तुओं की मांग के संबंध में वृद्धि हुई है ।
- (ii) पिछले वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पाटित आयातों के बाजार हिस्से में महत्वपूर्ण रूप से वृद्धि हुई है । संबद्ध देशों से पाटित आयातों की भारी मात्रा के कारण

अत्यधिक कीमत कीटी घरेलू उपयोग के संबद्ध उत्पादों हेतु कीमत दबाव/कमी हुई है। संबद्ध देशों से पाटित आयातों के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति संबद्ध वस्तुओं के गैरक्षतिकारी कीमत से काफी कम रही है।

( iii ) कीमत दमन के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है वे अपनी बिक्री कीमत बढ़ाने में समर्थ नहीं हुए ताकि निवेशों पर उचित प्रतिलाभ प्राप्त किया जा सके, क्योंकि पाटित आयातों के पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत को काफी कम कर दिया है।

( iv ) उपर्युक्त आर्थिक मापदंड संचयी तथा संग्रही रूप से यह स्थापित करते हैं कि पाटन के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

( v ) संद्व वस्तुओं की मांग में कमी नहीं आई है बल्कि वृद्धि हुई है और इसलिए मांग में कमी को क्षति का कारण नहीं माना जा सकता। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी है तथा प्रौद्योगिकी परिवर्तन अथवा घरेलू उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्धा क्षति का कारण नहीं है। प्राधिकारी ने यह भी नोट किया है कि पिछले वर्ष की तुलना में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निर्यातों में कुछ बढ़ोतरी हुई है। इसलिए, घरेलू उद्योग के निर्यात बिक्रियों में कमी को क्षति का कारण नहीं माना जा सकता है। उद्योग में कोई प्रौद्योगिकीय विकास अथवा ऐसे अन्य कारक जिनके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है, नहीं देखा गया है।

#### 8. भारतीय उद्योग के हित और अन्य मुद्दे

प्राधिकारी पाते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य सामान्यतः पाटन जैसे अनुचित व्यापार कार्य-कलापों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है: ताकि भारतीय बाजार में खुली तथा उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को पुनः स्थापित किया जा सके जो किं देश के सामान्य हित में हो।

प्राधिकारी यह भी स्वीकार करते हैं कि यद्यपि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों का कीमत स्तर प्रभावित हो सकता है और परिणामस्वरूप इन उत्पादों के सापेक्ष प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछेक प्रभाव पड़ सकते हैं, तेथापि, इन पाटनरोधी उपायों द्वारा भारतीय बाजार में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी। प्रत्युत, पाटनरोधी उपायों को लागू करने

से पाटन कार्यकलाणों द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होगा और घरेलू उद्योग का हास रुकेगा तथा इससे उपभोक्ताओं के लिए संबद्ध वस्तुओं के व्यापक पैसंद की उपलब्धता बनाये रखने में मदद मिलेगी। पाटनरोधी उपायों को लागू करने से संबद्ध देश से आयात भी किसी प्रकार से प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

### 9. पहुंच मूल्य

इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम 1962 के तहत सीमा शुल्क द्वारा यथा आकलित निर्धारणीय मूल्य होगा और उसमें सीमा शुल्क है कि अधिनियम 1975 की घारा 3, 3ए, 8बी, 9, 9ए के तहत लगाए गए शुल्क के अतिरिक्त सीमा शुल्क के लागू स्तर शामिल होंगे।

### घ. निष्कर्ष

उपर्युक्त का विचार करने के बाद यह पाया गया है कि:-

- (क) संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित सभी रूपों में संबद्ध का भारत को निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है।
- (ख) संबद्ध पाटित वस्तु के कम पहुंच मूल्य के कारण कीमतों में आई कमी के कारण निवल बिक्री प्राप्ति हुई कमी की बजट से वित्तीय घाटे के रूप में भी घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।
- (ग) संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटन के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।
- (घ) प्राधिकारी संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित अध्याय 90 के अंतर्गत आने वाली प्लास्टिक ऑपथेलमिक लेंसों जिसमें पॉलिथिथाइल मेथाक्राइलेट (पीएमएचई) से विनिर्भीत एक्राइलिक लेंस तथा पॉलिकार्बोनेट शामिल नहीं है, के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।

(ड.) पाटन मार्जिन के बराबर पाटनरोधी शुल्क की राशि की सिफारिश करने पर विचार किया गया था ताकि पाटन के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर किया जा सके। तदनुसार यह प्रस्ताव है कि अंतिम निर्धारण होने तक संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सीमाशुल्क टैरिफ के अध्याय 90 सीमाशुल्क उपशीर्ष 9001.50 के तहत आने वाले प्लास्टिक ऑपथेलमिक लेंस जिसमें पॉलियिथाइल मेथाक्रोंडलेट (पीएचएलए) से विनिर्मित एक्रीलिक लेंस व पॉलिकार्बोनेट लेंस शामिल नहीं है के सभी आयातों पर केन्द्र सरकारों द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से इस अधिसूचना के अनुबंध 1 में संलग्न तालिका के कॉलम 9 में उल्लिखित राशि तथा अमरीकी डालर/प्रति हजार जोड़े में पहुंच मूल्य के बीच के अंतर के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए।

### **ड. आगे की प्रक्रिया**

प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी:

- क. प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षों से इन जांच परिणामों पर टिप्पणियां आमंत्रित करेंगे और उन पर अंतिम जांच परिणामों में विचार किया जाएगा ;
- ख. प्राधिकारी द्वारा ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ता तथा अन्य हितबद्ध पक्षों को अलग से लिखा जा रहा है जो पत्र के प्रेषण की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचार प्रस्तुत कर सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पक्ष भी अपने विचार इन जांच परिणामों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर प्रस्तुत कर सकता है।
- ग. प्राधिकारी आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे सत्यापन करेंगे।
- घ. प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षों को मौखिक अनुरोध करने का अवसर प्रदान करेंगे जिसके लिए सभी ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को तिथि व समय के बारे में अलग से सूचित किया जाएगा।
- ड. प्राधिकारी अंतिम जांच परिणामों की घोषणा करने से पहले आवश्यक तथ्यों को प्रकट करेंगे।

एल. वी. सप्तऋषि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

अनुबन्ध-1

क्र.सं.	उप शिर्ष अध्या टरिफ मद	माल का विवरण	विनिर्दिष्टता	मूल देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	धनराशि	माप की इकाई	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	9001.50	सी.आर-39 अथवा समान वर्सु के बनाए गये प्लास्टिक आधात्मिक लैन्स	शून्य	चीन जनवादी गणराज्य	ताईवान के अतिरिक्त अन्य कोई देश	वाइ एण्ड एस (तियानजिन) उधोग वैन्चु इस्ट, वैन्चु युप एण्ड वैन्चु मिल्डा	कोई निर्यातक	1230.46	1000 जोडे	अमेरिकी डालर
2.	9001.50	सी.आर-39 अथवा समान वर्सु के बनाए गये प्लास्टिक आधात्मिक लैन्स	शून्य	कोई देश	चीन जनवादी गणराज्य	वाइ एण्ड एस (तियानजिन) उधोग वैन्चु इस्ट, वैन्चु युप एण्ड वैन्चु मिल्डा	कोई निर्यातक	1230.46	1000 जोडे	अमेरिकी डालर
3.	9001.50	सी.आर-39 अथवा समान वर्सु के बनाए गये प्लास्टिक आधात्मिक लैन्स	शून्य	कोई देश	ताईवान	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	1070.24	1000 जोडे	अमेरिकी डालर
4.	9001.50	सी.आर-39 अथवा समान वर्सु के बनाए गये प्लास्टिक आधात्मिक लैन्स	शून्य	ताईवान	चीन जनवादी गणराज्य के अलावा कोई देश	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	1070.24	1000 जोडे	अमेरिकी डालर

## MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 8th August, 2003

## PRELIMINARY FINDINGS

**Subject :**—Anti-dumping Investigation concerning imports of Plastic Ophthalmic Lenses from People's Republic of China and Chinese Taipei.

**No. 14/16/2002-DGAD.**—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof:

**A. PROCEDURE**

The procedure described below has been followed with regard to the investigation:

- i) The Designated Authority (hereinafter also referred to as Authority), under the above Rules, received a written application from M/s Techtran Polylenses Limited, Hyderabad, a member of Indian Plastic Ophthalmic Lenses Association (IPOLA), Karnataka (hereinafter referred to as petitioner) on behalf of the domestic industry, alleging dumping of Plastic Ophthalmic Lenses (hereinafter also referred to as subject goods) originating in or exported from People's Republic of China and Chinese Taipei (hereinafter referred to as subject countries). The petition is also supported by M/s Indian Plastic Ophthalmic Lenses Association whose other members are M/s Indian Ophthalmic Lenses Manufacturing Co. Pvt. Ltd., Karnataka and M/s Prakash Plastic Industries (Madras) Pvt. Ltd., Chennai.
- ii) Preliminary scrutiny of the application filed by the petitioner revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the petitioner. The petition was, therefore, considered as properly documented.
- iii) The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the petitioner decided to initiate the investigation against imports of the subject goods from the subject countries. The authority notified the Embassies of People's Republic of China and Chinese Taipei in New Delhi about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate the investigation in accordance with the sub-Rule 5(5) of the Rules.

- iv) The Authority issued a public notice dated 27.8.2002 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods classified under Customs Code 9001.50 Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 originating in or exported from the subject countries.
- v) The Authority forwarded a copy of the public notice to the known exporters (whose details were made available by petitioners) and gave them an opportunity to make their views known in writing within forty days from the date of the letter in accordance with the Rule 6(2):
- vi) The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known importers (whose details were made available by petitioner) of subject goods in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of issue of the letter in accordance with the Rule 6(2).
- vii) Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of subject goods made in India during the past three years, including the period of investigation.
- viii) The Authority provided a copy of the petition to the known exporters and the Embassy of the subject countries in accordance with Rules 6(3) supra. A copy of the non-confidential petition was also provided to other interested parties, wherever requested.
- ix) The Authority sent a questionnaire to elicit relevant information to the following known exporters/producers, in accordance with the Rule 6(4):
  - 1. M/s Wenzhou East Optical Glasses Co. Ltd., PR China
  - 2. M/s Wenzhou Wuzhou Group Co. Ltd., PR China
  - 3. M/s Wenzhou Mingda Optical Glasses Co. Ltd., PR China
  - 4. M/s Bin Shyh Enterprises Co. Ltd., Taiwan
  - 5. M/s Daily Glasses Enterprise Co. Ltd., Taiwan
  - 6. M/s Y & S (Tianjin) Industries Ltd., PR China
- x) The Embassies of the subject countries in New Delhi were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise all concerned exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, petition and questionnaire sent to the known exporters was also sent to the Embassy of the subject countries in accordance with Rule 6(3).

xi) A questionnaire was sent to the following known importers/user associations of the subject goods in accordance with Rule 6(4):

1. M/s R.K. Optical Services, New Delhi
2. M/s Ajay International, Delhi
3. M/s Enterprise Trading Co., Delhi
4. M/s Indian Optics Private Ltd., Delhi
5. M/s Reflect Optics, Mumbai
6. M/s Prime Optics, Mumbai
7. M/s Unity Optics, Mumbai
8. M/s Patni Opticians, Mumbai

The last date of submission was 7<sup>th</sup> October 2002. On request of interested parties, extension of time was granted up to 1<sup>st</sup> November 2002.

Response/information to the questionnaire/notification was filed by the following exporters/producers:-

1. M/s Wenzhou East Optical Glasses Co. Ltd., PR China
2. M/s Wenzhou Wuzhou Group Co. Ltd., PR China
3. M/s Wenzhou Mingda Optical Glasses Co. Ltd., PR China
4. M/s Y & S (Tianjin) Industries Ltd., PR China

Response/information to the questionnaire/notification was filed by the following importers/user Associations.

1. M/s R.K. Optical Services, New Delhi
2. M/s Enterprise Trading Co., Delhi
3. M/s Indian Optics Pvt. Ltd., Gurgaon

None of the exporters/producers from Taiwan has responded.

xii) The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7).

xiii) Cost investigation was also conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the petitioner.

xiv) \*\*\*\*in this notification represents information furnished by interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

xv) Investigation was carried out for the period starting from 1st April 2001 to 31<sup>st</sup> March 2002 i.e. the period of investigation (POI).

**B . VIEWS OF EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES**

**1. PETITIONER'S VIEWS**

**a) PRODUCT UNDER CONSIDERATION**

(i) The imported product is Plastic Ophthalmic Lenses, which are used in spectacles to correct Eye Vision of Human beings. These lenses are imported in finished, Uncut form, ready to mount in spectacle frames. The ITC (HS) classification of the products is 9001.50 which attracts peak Customs duty of 30% (2002 budget).

(ii) The lenses are made out of Bis Allyl Di-carbonate, generically known as CR-39 with Refractive Index of 1.498 and Abbe number of 50 plus. These lenses are basically modern day lenses substituting age old, glass lenses.

(iii) The product is under OGL.

**b) DOMESTIC INDUSTRY**

(i) The petition is filed by the Indian Ophthalmic Lens Association (IOPOLA), 48 L&M, Kadib Industrial area, Doddaballapur-561203, Bangalore, North Dist., Karnataka represented by its President. The members of the Association account for 90% of domestic Plastic Ophthalmic lenses production.

(ii) The annual production capacity of the member units:

(a)	TECHTRAN POLYLENSES LTD.	1,000,000 PAIRS (DTA Sale Entitlement of the 100% EOU)
(b)	INDIAN OPTHALMIC LENSES MANFACTURING CO. PVT. LTD.	1,500,000 PAIRS
©	PRAKASH PLASTIC INDUSTRIES (MADRAS) PVT LTD.	125,000 PAIRS
		2,625,000 PAIRS

(iii) The industry has installed production capacity much higher than the realized production

Manufacturer name	Installed capacity	Actual production or realized capacity
Prakash Plastic Industries	125,000 Pairs	125,000 Pairs (100%)
Techtran Polylenses Domestic Capacity	1,000,000 Pairs	464,139 Pairs (46.41%)
Indian Ophthalmic Lenses Manufacturing Co.	1,500,000 Pairs	750,000 Pairs (50%)
Total	2,625,000 Pairs	1,339,139 Pairs (51.00%)

(iv) The average annual production value of the above three companies is approximately Rs.150 million.

(v) The member companies manufacture Single Vision and Bifocal lenses, similar to the imported products from Taiwan and China. The member companies also produce semi-finish products of Single Vision and Bifocal, even though the volumes are small.

(vi) None of the manufacturer member companies import any of the products and none of the member companies have any relation to the importers or exporters of dumped article.

(vii) There are only two other small plastic lens manufacturers in the country, who are not party to this complaint (1) reflect Optics, Doctor House, Mumbai and (2) Global Optics Pvt, Ltd., New Delhi

c) **LIKE ARTICLE**

(i) The Plastic Ophthalmic Lenses may be substituted by glass lenses, however, glass is inferior to Plastic in terms of safety, absorption of ultra violet radiation, customer comfort etc.

(ii) There are no material differences between the dumped products and products manufactured by the members. Both the products are made out of CR-39 or equivalent raw material, and is cast adopting polymerization. There may be slight difference in the initiators used. Polymerization cycle and process may vary from manufacturer to manufacturer.

**d) DUMPING**

As per the petition the extent of alleged dumping of the subject goods is as follows:

Year	Taiwan		China		Others	
	No. of pairs imported	CIF value per pair in Rs.	No. of pairs imported	CIF value in Rs.	No. of Pairs imported	CIF value in Rs.
2000-01	3,97,593	43.40	5,50,319	31.61	6,75,570	116.07
2001-02	6,23,534	14.65	8,72,400	30.43	6,58,946	103.14

The imported products constitute 62% of domestic market share in 2001-02.

(i) **Estimates of Normal Value** -Since the petitioners do not have access to the local selling prices of the dumped articles in the exporting countries, Taiwan and China, the computed normal value has been worked out by the petitioners as follows:-

a) Raw Materials: consumption of Monomer i.e. CR-39 or NS-200 would be approximately 24 grams/lens. The monomer suppliers world wide are PPG, U.S.A and Great Lakes Chemical Corp., Netherlands and their uniform price is US\$4.50 per kg.

Hence monomer cost Per pair of Lenses (Rs)=  $2 \times 24/1000 \times \$4.5 \times 48.6$   
 $= \text{Rs.} 5.25 \times 2 = \text{Rs.} 10.50/\text{Pair}$

Initiator: Isopropyl Peroxide supplied by AKZO NOBEL, NOF JAPAN, ETC. The pure IPP price is \$60 per kg and IPP (PURE) is used 3% of the monomer weight.

Cost of Initiator per pair of lenses =  $2 \times 24 \text{ grams} \times 3\% \times 1 \text{ Kg}/1000 \text{ grams} \times \$60 \text{ (per kg)} \times 48.6 \text{ (Exch. Rate)} = \text{Rs.} 2.10 \times 2 = \text{Rs.} 4.20/\text{Pair}$

**Total raw materials cost per Pair = Rs.7.35 \times 2 = Rs.14.70 Pair**

b) Stores and Spares including chemicals, gasket, glass moulds, mechanical and electrical supplies @ Rs. 4.00 per lens =  $\text{Rs.} 4.00 \times 2 = \text{Rs.} 8.00 \text{ Pair}$

c) Power and Fuel: Approximately 0.8 to 0.9 KW power is required to manufacture one lens. Assuming the Power cost in China as 50% of Indian power cost, the power and fuel would be no less than Rs. 1.60 per lens =  $\text{Rs.} 1.60 \times 2 = \text{Rs.} 3.20 \text{ Pair}$

d) Wage Cost: IN a semi-automated plant, the productivity is approximately 40 lenses/makeshift. Assuming a low Chinese wage cost of 600 yuan per month per person or 3600 rupees/month (@6 Rs. Per yuan.)

Wage cost works out  $3600 + (25 \text{ days/month} \times 40 \text{ lenses/man day}) + 3.6 \times 2 =$  **Rs 7.20 /Pair**

e) Packing and selling costs

Packing material : Rs 1.50 /Lens

Misc. selling cost : Rs 0.50/Lens

Total Rs 2.00/Lens **Rs 4.00 /Pair**

f) Factory overheads and administrative costs approx.  $3.0 \times 2 =$  **Rs 6.00 /Pair**

Total Manufacturing cost before interest and depreciation

**Rs 43.10 /Pair**

g) Interest

**Rs 10.10 /Pair**

h) Depreciation

**Rs 7.00 /Pair**

**Constructed Normal value (As per the petition): Rs 60.20 /Pair**

(vi) The average imported price to India for the last two years and the current year is listed here:-

(A) **Import Price/Pair (CIF)**

(Quantity in Pair)

Source: DGCIS

	1999-2000	2000-2001	2001-2002
Chinese Taipei	52.42	43.40	14.65
China PR	41.88	31.61	30.43
Others	56.36	116.07	103.14

(B) **FOB Price computation of dumped goods:**

The DGCIS statistics report the CIF price to Indian shore. To determine the FOB price, the costs involved in inland transportation, forwarding and port handling, ocean freight and Indian port delivery charges etc. are to be deducted.

	Rs/Pair
Inland transportation	1.00
Forwarding and port handling	1.00
Ocean Freight	3.00
Port-Delivery charges	1.00
Total	6.00

These expenses are assumed conservatively to be constant during the two-year period of review.

(C) Import Price Rs/Per Pair (FOB)

	1999-2000	2000-2001	2001-2002
Chinese Taipei	46.42	37.40	8.65
China PR	35.88	25.61	24.43
Others	50.36	110.07	97.14

Hence the Dumping Margin:

	2001-2002	
	Taiwan	China
Normal Value (in Indian Rs) per pair	60	60
Export price FOB (in Indian Rs.) per pair	8.65	24.43
Dumping margin (in Indian Rs.) per pair	51.35	35.57
Dumping Margin (%)	85.58%	59.28%

e) **INJURY**

The Following arguments have been extended by the petitioners towards provisional injury determination:

- (i) The importers have flooded their products in Indian markets to the extent of 61.70%.
- (ii) Total demand of Plastic Lenses for 2001-2002

a) Imports:

Source: DGCIS

	Pairs	%
Chinese Taipei	623,534	17.8
China	872,400	25.0
Others	658,946	18.9

(b) Domestic Sales

Techtran Domestic Sales	464,139	13.3
All other IPOLA members	875,000	25.0
Others	NIL	NIL
Total	3,494,019	100.0

iii) While Taiwan and China imports have increased from 2000-2001 to 2001-2002 by about 60%, Techtran lost its sales by about 7.3% in the same period. Techtran was unable to reach even 50% of its eligible domestic capacity.

	2000-2001	2001-2002	Sales Volume % increase of (Decrease)
Techtran Polylenses domestic sales	500,763 Pairs	464,139 Pairs	(7.3%)
Taiwan	397,593 Pairs	623,534 Pairs	57%
China	550,319 Pairs	872,400 Pairs	59%

iv) The domestic units were making losses or barely breaking even in expanding market. Some of the units are closed or sold out under economic distress.

v) The imports from Taiwan and China are increasing year after year, while the import prices have gone down since these countries are dumping the products below their costs of production. The plastic lenses are imported into India at the lowest price in the world.

vi) The domestic units are not able to compete the ridiculous (below raw material cost) prices and are forced to find export markets or shut down.

vii) One domestic unit set up by SRF has incurred heavy losses and could not operate economically resulting in distress sale to a multi-national subsidiary, Indian Ophthalmic Lenses Manufacturing Co. Pvt. Limited. The reorganized unit is functioning at reduced capacity. Techtran Polylenses Ltd. is struggling to service the debt burden and continues to remain as non-performing asset to the financial institutions. Forbes Gokak Ltd., a TATA subsidiary, had set up a plastic lens manufacturing facility at Aurangabad and closed after incurring accumulated losses of Rs.70 crores and loss of employment of some 250 person.

viii) It is the firm belief in the industry that the imports from China and Taiwan are under-invoiced to evade Customs duty and resulting low imported cost. The country loses out on Customs duty revenue and also on the industrial front by the failures of domestic units (invested capital, employment, revenue base etc). In year 2001-2002, Techtran alone has paid Rs.82.80 lakhs duties (at 50% of import duty) on domestic sales 464,139 pairs whereas Taiwan imports got by, paying Rs.107 lakhs on imports of 872,400 pairs. These facts prove beyond doubt the common belief of unscrupulous, under invoiced imports.

- (ix) The landed value from Taiwan and China in 2001-2002 are 25.84 per pair and 30.89 per pair respectively.
- (x) The demand of Plastic Ophthalmic Lenses in India has been increasing but virtually all the growth in demand is stolen by unscrupulous imports, dumping below cost or suppressing the cost of sale.
- (xi) Selling Prices/Pair (FOB)

	1999-2000	2000-2001	2001-2002
Taiwan	Rs.46.42	Rs.37.40	Rs8.65
China	Rs.35.88	Rs.25.61	Rs24.43
Others	Rs.50.36	Rs.110.07	Rs97.14

- (xii) Comparison of other importing countries

	1999-2000	2000-2001	2002
All other countries Sales volume (in pairs)	1,135,515	675,570	658,946
Average selling price of all other countries (in Rs/pair) CIF	56.36	116.07	103.14

In summary, the domestic industry has contended that the Chinese and Taiwanese products are exported in India at a price much lower than the normal value (in some cases below the cost of raw materials) and thereby causing injury to domestic industry in terms of sales volume loss, lower capacity utilization and shut down of certain units. The dumping margins are very high with respect to these countries.

## f) GENERAL ISSUES

### (i) Glass Lenses Impact

Even though glass lenses compete in the total ophthalmic lens market, they do not cause any injury to the plastic lens since the plastic lens market share in India is increasing and plastic lenses replace glass as it happened in developed countries. Plastic lenses are superior, modern product and enjoy safety and health benefits over glass lenses. Glass lenses are not hurting plastic lens industry but the plastic lens imports dumped at, below cost prices are causing injury to domestic industry from getting fair share of growing domestic market

(ii) Classification of goods

Article Code 9001.50.00 is for "spectacle lens of other material". Glass lenses are under article Code 9001.40.00 and hence spectacle lens of other material constitute plastic lenses of spectacle only since no other material is used for making spectacle lenses.

2. **IMPORTER'S VIEWS**1. **M/S Enterprise Trading Co.**

- (i) Only CR 39 lenses are covered under the scope of investigation whereas Acrylic lenses are made from different manufacturing process viz. injection moulding and different raw material and, therefore, are not within the purview of investigation.
- (ii) The Normal Value on the basis of raw material consumption and other costs would come to \*\*\*\*\$/pair ex-factory export price as \*\*\*\*\$/pair evidencing no dumping.
- (iii) Other types of Lenses like Polymethyl Methacrylate (PMMA) lenses, Polycarbonate lenses, specialty lenses like anti-reflection multi coating, hydro-phobic coating, anti-EMI coating and anti-scratch coating lenses are not manufactured by the domestic industry and that reliance is placed on the Hon'ble CEGAT's judgement in case of Birla Periclase Vs. Designated Authority.
- (iv) There is no injury caused to the domestic industry.
- (v) M/s Techtran is 100% EoU and that their cost of production cannot be relevant for domestic sales. Thus information of M/s Techtran should not be taken into account.

2. **M/s R.K. Optical Services**

- (i) That they have not imported any of the CR 39 lenses during the period of investigation and have mainly imported Acrylic Lenses.

3. **M/s Indian Optics Pvt. Ltd.**

- (i) They are manufacturer of both plastic and glass lenses but also import special type of lenses with unique application from China, Singapore and Indonesia.
- (ii) CR-39 lenses are made from ADCA/NS 200 while Acrylic lenses are made from Polymethyl Methacrylate (PMMA).
- (iii) The process for CR-39 lenses and Acrylic lenses are different as the first one is produced by the casting process and the second one is produced by the injection moulding process.

- (iv) The refractive index of the different type of plastic Ophthalmic/Spectacle lenses are 1.498 for CR-39 and Acrylic Lenses, 1.56, 1.60, 1.523, 1.67, 1.58 are the other refractive indexes for the Plastic Ophthalmic Lenses, 1.58 for Polycarbonate lenses.
- (v) They do not oppose antidumping Duties on the plastic CR-39 -1.49 lenses but oppose the anti dumping duties on any other specialty lenses, which are not manufactured by the domestic producers. These are anti-reflection multi coating, hydrophobic coating, anti-EMI coating and anti-scratch coating lenses. The domestic producers have only capacity for anti-scratch coating/Hard coating.
- (vi) They support fixing of a minimum export price for plastic Ophthalmic lenses CR-39 but excluding the specialty lenses.

d) Other Importers i.e. M/s Unity Optics, Mumbai and M/s Prime Optics, Mumbai have mentioned that they have not imported CR-39 type lenses from PR China and Taiwan.

### 3. EXPORTER'S VIEWS

#### 1. M/S Y &S(TIANJIN) INDUSTRIES LTD., PR CHINA

- (i) M/S Y &S(Tianjin) Industries Ltd. have provided the CIF price of the Monomer used as \*\*\*\*\$/MT and the price of IPP used as \*\*\*\*\$ per MT procured from the local sources and has claimed that their production cost is much lower because of lower cost of the raw material as above.
- (ii) It has been submitted that CR 39 and Acrylic Lenses are not like article and only CR 39 lenses are covered. Domestic industry has not produced nor has the capacity to produce the Acrylic lenses.
- (iii) The normal value of the exporter as indicated on the basis of the total cost of production as \*\*\*\*\$/pair in stead of \*\*\*\*\$/pair as claimed by the petitioner. The exporter has indicated various reasons for claiming the cost of production.
- (iv) The exporter has also offered for verification and has indicated that they are operating as per the market principles.

#### 2. M/S WENZHOU WUZHOU GROUP CO. LTD., PR CHINA (WUZHOU)

- That Wuzhou is a private Limited company incorporated and registered in the People's Republic of China in 2001 and is an exporter of Plastic Ophthalmic Lenses. Wuzhou is a market economy company. There is no State/Government control of Wuzhou. Wuhou does not receive any subsidies and maintains its accounts consistently in accordance with international norms/practice.

- The decision of Wuzhou with respect to prices are made in response to market signals reflecting supply and demand and the costs of the inputs reflect market values.
- There is no distortion of production costs and financial situation as Wuzhou is an entirely private company as described in the response to the questionnaire and accompanying confidential information.
- Wuzhou states that it is not a manufacturer and thus does not have any domestic sales and does have a license to import or export and has exported the subject goods to India or other countries thereafter during a portion of the period of investigation i.e. from 1st April, 2001 to 31<sup>st</sup> March, 2002.
- Plastic Ophthalmic Lenses manufactured in China and exported by Wuzhou are generally called Acrylic Plastic Lens (PMMA) while the category of subject goods manufactured and sold in India by the said applicant are generally called Hard Resin Lens (CR 39). Acrylic Plastic Lens are not suitable for therapeutic or correctional purposes.
- There is no Domestic Industry in India of the category of like articles subject goods exported by Wuzhou, i.e. Acrylic Plastic Lens.
- The ex factory price during the POI of the subject goods exported by Wuzhou to India at an average of US\$ \*\*\*\* per pair that is at the average third country export price, as below during the POI.
- Chinese manufacturers enjoy tremendous economies of Scale, as a result of clustered and consolidated production of the subject goods, high capacity and capacity utilisation, inexpensive raw materials and labour, no man days lost during the POI due to labour unrest or any force majeure or input supply constraints, inexpensive and efficient logistics and infrastructure and economies in freight and handling. The subject goods are mainly targeted for the relatively lower income market segments and not at the affluent market segments.
- There are a number of differences between the category of subject goods produced and sold in India by the applicant and the category of subject goods exported to India by Wuzhou.
- The goods produced with CR39 and those produced with PMMA are completely different although both of them are classified into the Classification number of 9001.50 – Spectacle lenses of other materials.
- Products made from CR-39 are generally called Hard Resin Lens (CR-39) while those made with PMMA are called Acrylic Plastic Lens (PMMA).
- The subject goods manufactured and exported by Wuzhou are neither technical nor commercial substitutes for the subject goods manufactured by the applicant domestic industry and thus are not like article with the subject goods manufactured by the applicant domestic industry.
- Glass was in the past the material used for sheets because of its chemical structure and scratch resistance. Transparent plastic materials like PMMA, PC, CAB have replaced glass in many applications mainly because of their lighter weight, better impact

resistance and workability. But these materials do however show some disadvantages compared to glass, like a poor chemical resistance; poor scratch resistance, or aging problems, all of which result in loss of mechanical and optical properties, micro-cracking, hazing as well as other problems while in use.

- Materials including PMMA do not always provide a fully satisfactory alternative to glass and, in many applications, the quality and performance of expensive equipment and instruments is compromised by the poor performance of their transparent plastic parts.
- CR-39 (Hard Resin lenses) offer the combined benefits of Plastic materials and glass. The Hard Resin optical quality cast sheets are resistant to scratch, impact stress cracking, solvents, chemicals, gamma radiation, welding sparks pitting and aging. They will maintain their properties for many years through a variety of difficult environments and conditions of use, where other materials may only last a few days or months.
- The respective applications of PMMA and CR-39 are different.
- Hard Resin use are constantly growing in sophisticated scientific, aerospace and nuclear applications like determination of radon concentration, research for magnetic monopoles (Macro experiment at Laboratori Nazionali del Gran Sasso), biological experiment on effect of the light on vegetable and animals and cosmic and nuclear track detectors in aerospace application.
- As per the said application the sources of raw materials are as follows:-  
"The monomer suppliers world-wide are PPG, U.S.A. and Great Lakes Chemical Corp., Netherlands.
- The PMMA industry in Asia and even world-wide is dominated by a handful of players including ICI Acrylics Inc, BASF and Elf Atochem. The PPG and Great Lakes Chemical Corp are CR-39 supplier but not PMMA.
- The price of the PMMA purchased for production of Chinese manufacturers is just US\$1.6 per kg as they are completely different.
- There are differences in respective manufacturing process, raw materials and moulds between the Acrylic Plastic Lens (PMMA) and the Hard Resin Lens (CR-39).
- The production process of Hard Resin Lens (CR-39) is more complex to achieve higher specifications and would involve higher costs and chances of a higher rejection rate.
- The normal value of the subject goods determined on the use of raw material CR-39 is not representative for all kinds of the subject goods.
- Subject goods manufactured from PMMA may thus be excluded from the scope of the present investigation.
- All third country export sales of the subject goods in China by Wuzhou during the POI were in the ordinary course of trade and the confidential data therefore has been filed along with the confidential response to the questionnaire.
- There is no dumping of the subject goods from China by Wuzhou as alleged at all and thus the present investigation may be terminated.

## INJURY AND CAUSAL LINK

- Since the applicant neither produces, nor sells the like article/subject goods there can be no injury to the applicant with respect to a category of goods not produced by it.
- During the POI and also the preceding year the profits, production and capacity utilisation of the said applicant have risen while inventories have declined. *Prima facie* there is no evidence of material injury to the said applicant.
- Issue of Causal Link arises only in case dumping of like articles is proven and if any material injury is shown.
- The Applicant has relied on inadequate and inaccurate estimates of data for the last 4 months of the POI.
- The applicant has not taken cognizance of the economic slow down in India during the POI.
- The applicant has disclosed that during the POI its profits increased which would be unlikely in case of any price suppression. Thus there is no price depression/suppression as alleged without substantiation.

### 3. M/S WENZHOU EAST OPTICAL GLASSES CO. LTD. PR CHINA (EAST)

- East is a private Limited company incorporated and registered in the People's Republic of China in 2001 and is a manufacturer of Plastic Ophthalmic Lenses. East is a market economy company.
- The ex-factory price during the POI of the subject goods exported by East to India at an average of US\$ \*\*\*\* per pair that is at or within a de-minimus range of the average domestic sales price, as above, during the POI.
- The cost of production during the POI at an average of US\$\*\*\*\* per pair across models and is less than the domestic sales price, as stated above, during the POI.
- All domestic sales of the subject goods in China by manufacturer during the POI were in the ordinary course of trade and the confidential data therefore has been filed. The normal value may be determined on the basis of the domestic sales price of the subject goods in China during the POI and this would show that there was no dumping as alleged or a dumping margin within a de-minimus range.
- POI is from 1st April 2001 to 31<sup>st</sup> March, 2002. It is submitted that the selection of the POI is flawed as the applicant has, relied only on estimates for the final 4 months and thus *prima facie* has not furnished any adequate or accurate data for the entire POI.
- The capacities mentioned are below the international economies of scale and less than the capacity of East. The capacity of the said applicant refers to D.T.A and thus the said applicant has capacity committed for exports.

4. **M/S WENZHOU MINGDA OPTICAL GLASSES CO. LTD., PR CHINA  
(MINGDA)**

- Mingda is a privately owned limited company and is a manufacturer of Plastic Ophthalmic Lenses. Mingda has furnished the relevant confidential data in the confidential response.
- The decisions of Mingda with respect of prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and the costs of the inputs reflect market values.
- Mingda is subject to China's Bankruptcy Laws/winding up proceedings and there have been of bankruptcies/closures in China of similar firms/companies.
- As in India the exchange rate is based on the market rate as determined by the China Central Bank as is reflected in the confidential data furnished along with the said confidential response to the questionnaire.
- Mingda states that it does not have the license to import or export and has not exported the subject goods to India or other countries during the POI i.e. from 1st April, 2001 to 31<sup>st</sup> March, 2002. Mingda states that it has, inter alia, sold the subject goods to exporters, who possess the required license to export and that such sales are treated as Mingda's domestic sales of the subject goods and is providing some confidential data with respect to the exports to India of the above mentioned exporters during the said POI in the relevant confidential appendices to the confidential response to the Questionnaire.

M/s East and M/s Mingda have reiterated the views as submitted by M/s Wuzhou on the issue of Like Article

**C. EXAMINATION BY AUTHORITY**

The foregoing submissions made by the exporters, petitioner, importers and other interested parties, to the extent these are relevant as per Rules and have a bearing upon the case, have been examined, considered and dealt with at appropriate places in these findings.

**1. PRODUCT UNDER CONSIDERATION**

The Authority notes that the petition has been filed by M/s Techtran Polylenses Limited, Hyderabad, a member of Indian Plastic Ophthalmic Lenses Association (IPOLA), Karnataka on behalf of the domestic industry, alleging dumping of Plastic Ophthalmic Lenses (hereinafter also referred to as subject goods) originating in or exported from People's Republic of China and Chinese Taipei. The petition is also supported by M/s Indian Plastic Ophthalmic Lenses Association whose other members are M/s Indian Ophthalmic Lenses Manufacturing Co. Pvt. Ltd., Karnataka and M/s Prakash Plastic Industries (Madras) Pvt. Ltd., Chennai. The petitioners to the current investigation are

manufacturing and selling plastic ophthalmic lenses manufactured out of CR39. The lenses manufactured by the petitioners are made out of Bis-Allyl Di-carbonate, generically known as CR-39 with Refractive Index of 1.498 and Abbe number of 50 plus. These lenses are basically modern day lenses substituting age old, glass lenses.

The Plastic Ophthalmic Lenses are used in spectacles to correct Eye Vision of Human beings. These lenses are imported in finished, Uncut form, ready to mount in spectacle frames. The ITC(HS) classification of the products is 9001.50 which attracts Customs duty of 30%(2002 budget). The product is under OGL.

There are also other plastic materials from which lenses are manufactured for various purposes, including ophthalmic lenses. Therefore, the initiation notification covered all type of plastic ophthalmic lenses for the purpose of investigation. However, representations have been received from the interested parties to exclude certain type of plastic lenses, not manufactured by the domestic industry and having different properties as well as end use, from the scope of current investigation. The Authority in this regard notes the submissions made by various importers/exporters regarding the exclusion of Acrylic lenses manufactured out of Polymethyl Methacrylate (PMMA) and other lenses viz. Polycarbonate and specialty lenses like anti-reflection, multi-coating, hydro-phobic coating, anti-EMI coating and anti-scratch coating lenses. It has been mentioned by various interested parties that the acrylic lenses are different from CR 39 since they are produced by the injection moulding process, whereas CR 39 is manufactured by casting process. Also there is significant price difference in the two types of lenses as the cost of production is different. It has been mentioned by various interested parties that the petitioners have filed the petition specific to CR 39 lenses, which are used for correcting, vision only. It has been submitted that the acrylic lenses made from PMMA lenses are used mainly for sunglasses and have technical properties different from that, which are possessed by CR 39.

As regards specialty lenses like, anti-reflection, multi-coating, hydrophobic coating, anti-EMI coating and anti-scratch coating, the Authority notes that anti-scratch/ hard lenses only are made by Domestic Industry and not the other types. However unlike Acrylic lenses which are stated to have different end use, no argument on these not being like article to CR 39 lenses, has been advanced nor any quantification on adjustments on account of special features has been made.

However, the authority notes that all plastic lenses are being imported under the Customs tariff number 9001.50, meant for spectacle lenses, which otherwise means prescriptive lenses used for corrective use. That being the cases, it appears that plastic lenses manufactured out

of PMMA can also be used, and are being imported, as prescriptive lenses to compete with CR 39 lenses. Therefore, it would not be proper to completely exclude the plastic lenses made out of PMMA from the scope of the current investigation. Accordingly, pending verification of the product exported by these exporters and their technical and commercial substitutability, the PMMA lenses are included within the product under consideration, for the purpose of preliminary determination, pending final determination.

Therefore, the Authority holds that this investigation covers "**Plastic Ophthalmic Lenses viz. CR 39 lenses also called Hard Resin Lenses or equivalent, used for correcting vision**". These lenses are in finished, uncut form, ready to mount in spectacle frames. These are made out of Bis Allyl Di-carbonate, generically known as CR-39 or equivalent. These lenses are the modern day lenses substituting age old, glass lenses. These are classified under the Customs Head 9001-50 and can be imported under OGL with the basic Customs duty of 30% during the Period of Investigation. The Authority notes the claim of the interested parties that acrylic lenses produced by PMMA and Polycarbonate lenses which are used in non-prescriptive usage such as sunglasses are not interchangeable and substitutable with CR 39 lenses, which are used for prescriptive vision correction purpose. However, issue of exclusion of these products from the scope the product under consideration will be addressed on verification of their interchangeability and substitutability.

The specialty lenses like anti-reflection multi coating, hydrophobic coating, anti-EMI coating and anti-scratch coating are however, within the scope of the product under consideration for the purpose of preliminary determination pending verification and final determination.

## 2. LIKE ARTICLE

Article 2.6 of the Agreement on Antidumping defines 'like article' as: "a product which is identical, i.e. alike in all respects to the product under consideration or in the absence of such a product, another product which, although not alike in all respect; has characteristics closely resembling those of the product under consideration". Identification of 'like article' in the exporting country is required for determination of the normal value of the product in the ordinary course of trade in that country.

The petitioners have claimed and Authority notes that the goods produced by them are like article to the goods produced, and exported from the subject countries. CR 39 lenses have been imported, at least from PR China, manufactured by one of the co-operating exporters i.e. M/S Y & S (Tianjin) Industries, and for this category interchangeability of domestically produced goods and those exported has not been disputed. Other three responding exporters i.e. Wenzhou East,

Wenzhou Group and Wenzhou Mingda have indicated that they produce and export goods manufactured out of PMMA, which is, both technically and commercially different from the corrective lenses manufactured by the petitioners from CR39. Therefore, they have claimed that their products are not technically and commercially substitutable or interchangeable with the product manufactured by the petitioners. Considering these submissions the authority has confined this investigation to prescriptive/ corrective plastic ophthalmic lenses made out of CR 39 and equivalent only. However, the authority notes that Acrylic lenses and lenses made out of other materials (other than CR 39) have also been imported under Customs tariff head 9001.50.00 (which is basically for spectacle lenses and excludes sunglasses and other non-ophthalmic glasses, which are covered elsewhere). Therefore, the contention of the three exporters from China that they are producing and exporting PMMA lenses only, and that the lenses exported/imported by them are not used for corrective ophthalmic use, does not appear to be entirely correct.

The Authority, in view of submissions made by other interested parties, and keeping in view the substitutability and interchangeability of the goods from subject countries and those produced by the domestic industry, considers the subject goods exported and domestically produced subject goods as like article as per Rule 2(d) for the purpose of preliminary determination pending final determination.

### 3. DOMESTIC INDUSTRY

The petition has been filed by M/s Techtran Polylenses Limited, Hyderabad, a member of Indian Plastic Ophthalmic Lenses Association (IPOLA), Karnataka on behalf of the domestic industry, alleging dumping of Plastic Ophthalmic Lenses (hereinafter also referred to as subject goods) originating in or exported from People's Republic of China and Chinese Taipei (hereinafter referred to as subject countries). The petition is also supported by M/s Indian Plastic Ophthalmic Lenses Association whose other members are M/s Indian Ophthalmic Lenses Manufacturing Co. Pvt. Ltd., Karnataka and M/s Prakash Plastic Industries (Madras) Pvt. Ltd., Chennai.

The Authority also notes that M/s Techtran Polylenses Ltd along with the other petitioners accounts for almost 90% of the total domestic production (on the basis of domestic sales entitlement of Techtran and production capacity of other petitioners) and therefore, have the standing to file the petition on behalf of the domestic industry as per Rule 5 (3) (a) and (b) of the Anti-Dumping Rules and also represent Domestic Industry in terms of Rule 2(b). The fact that M/s Techtran is an 100% Export Oriented Unit (EOU) does not exclude them for the scope of the domestic industry as per Rule 2(b). The fact that as per the Exim policy of the country this manufacturer was permitted to sell

the goods in Domestic Tariff Area (DTA) and also that domestic sales of the subject goods have been made by them in Period of Investigation, qualifies them to be a part of the Domestic Industry as per Rule 2(b). Even if, the argument of the opponent to the Petition that M/s Techtocam Polylenses Ltd., being a 100% EOU is accepted, the production capacity of the other two Petitioners supporting the Petition qualified the standing requirement. In such a situation, the DTA sales entitlement of the 100% EIOU will be ignored both from domestic capacity as well as production side and other two producers with combined production capacity of 1.625 million pairs will constitute more than 50% of the domestic production and, therefore, conform to the standing requirement. Therefore the Authority concludes that the petitioners have the standing to file the petition on behalf of the domestic industry.

#### 4. NORMAL VALUE & EXPORT PRICE

Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:

- (i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either:-
  - (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
  - (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section(6);

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

The normal value and ex-factory export price determination is illustrated below.

#### **NORMAL VALUE**

#### **PR CHINA**

##### **1. M/s Wenzhou East Optical Glasses Co. Ltd., M/s Wenzhou Wuzhou Group co. Ltd. and M/s Wenzhou Mingda Optical Glasses Co. Ltd.**

In respect of the producers/exporters, viz. M/s Wenzhou East Optical Glasses Co. Ltd., M/s Wenzhou Wuzhou Group co. Ltd. and M/s Wenzhou Mingda Optical Glasses Co. Ltd., the respondents claim and Authority notes that they have exported PMMA manufactured Acrylic lenses which have a different manufacturing process than of CR 39 type of lenses. The cost and price of two types of lenses vary significantly and also the usage of these two lenses are in different end use segments. While examining various submission by interested parties on the question of like article for the purpose of this investigation and specifically the issue of inclusion or exclusion of other lenses (other than CR 39) within the scope of this investigation, the authority noted that Customs Tariff Item No 9001.50.00 under which most of the imports from the subject countries have taken place reads as "Spectacle lenses of other materials". This inter alia means that any lenses made out of other than glass and capable of being used as spectacle lens gets covered under this tariff number. The contention of these exporters and the importers have been that the PMMA lenses are inferior in quality to CR 39 lenses and are generally used for sunglasses. If that is the case, the imports of PMMA lenses should have been covered under tariff number 9004.10.00 and not under 9001.50.00. But the DGCIS data shows substantial imports under tariff number 9001.50.00. Therefore, the contention of these exporters that they have exported only PMMA lenses and not CR 39 lenses during the POI needs to be subjected to verification. Moreover, there is no evidence on record to prove that the lenses exported by these exporters to India are manufactured out of PMMA and not CR 39. The authority therefore, holds the goods exported by these exporters as like goods for the purpose of preliminary determination and proceeds to determine the normal value.

The Authority also notes that the above producers/exporters have indicated that they are operating on the market economy principle. These exporters have responded to the specific questionnaire in this regard.

#### **M/s Wenzhou East Optical Co Ltd.**

The exporter has claimed that there is no restriction on import of raw materials and PMMA is procured from Sumitomo Chemicals,

Singapore. The other raw materials are procured from the local sources through long-term contracts and the utilities are procured from local utilities providers at market rates. The exporter has not submitted any published balance sheet and audited documents to substantiate that the company operates under market economy principles. As far as other parameters for determination of market economy status of the company is concerned the respondent has submitted copies of various laws of PR China. But the extent and manner in which these laws are being implemented and followed can not be corroborated from the response filed, without verification. The Authority in this regard recalls the provisions of non-market economy as indicated in the Anti Dumping Rules read with Custom Notifications No. No.44/99(N.T.) dated 15<sup>th</sup> July, 1999, 28/2001(N.T.) dated 31<sup>st</sup> May, 2001 and 1/2001(NT-Customs dated 4<sup>th</sup> January, 2002. Moreover, the invoices of exports to India do not indicate the base material of the lenses exported. It is therefore difficult to conclude that the lenses exported were made out of PMMA. Moreover, data on cost of raw materials and manufacturing cost provided by the exporter has not been corroborated with documentary evidence. Therefore, pending final verification and finding, the authority holds that the exporters have failed to rebut the presumptions that they operate in non market economy conditions and proceeds to construct the normal value on the basis of facts available. The constructed normal value has been worked out as \*\*\*\*\$/pair for the purpose of preliminary determination pending final determination.

M/s Wenzhou Mingda Optical Co. Ltd.

This is a manufacturing company having no licence to export or import and its products are exported to India through M/s Wenzhou Wenzhou Group Co. Ltd. They have also responded to the specific questionnaire on market economy status and informed that they source all their raw materials from domestic producers or dealers by long term contracts or from spot market. Other responses as far as cost of production and market orientation of the company are similar to the response filed by M/S Wenzhou East and therefore, not repeat herein. The respondent has produced only copies of various laws of PR China to prove that the company is market driven, without corroborating with its own published documents. Therefore, in view of their failure to rebut the presumption of non-market market condition as stated above, the Authority proceeds to construct the normal value as per the facts available. The constructed normal value has been worked out as \*\*\*\*\$/pair for the purpose of preliminary determination pending final determination.

M/s Wenzhou Wenzhou Group Co. Ltd.

This being a trading company, exporting goods manufactured by the other two companies and relied on the cost data of these companies.

As the normal value for the manufacturers concerned are being constructed, the same will also be applicable to this exporter also.

### Export prices

The Authority has referenced the export price on the basis of the response given by the Importer of subject goods during the period of investigation. The Authority has allowed adjustments on inland freight, ocean freight, port expenses, commission and other expenses to an extent of \*\*\*\*. \*\*\*\*, \*\*\*\*, \*\*\*\* and \*\*\*\* \$/pair respectively on the basis of data provided by the exporter and the importer. Adjustment on commission has been considered to an extent of \*\*\*% as the goods has been exported through a trading house.

The ex-factory export price comes to \*\*\*\*\$/per pair.

### **M/s Y & S (Tianjin) Industries Ltd., PR China**

#### **Normal Value**

The Authority notes that the producer has exported CR-39 lens during the Period of Investigation and agreed to co-operate in the investigation process. The producer has provided the cost of production details but has not provided the domestic selling prices of the subject goods during the period of investigation. The Authority notes that the producer has also indicated that they are operating on the market economy principle but they have not provided any specific evidence to this effect, specifically in respect of the four parameters as stipulated in the Anti Dumping Rules read with Customs Notifications No. No.44/99(N.T.) dated 15<sup>th</sup> July, 1999, 28/2001(N.T.) dated 31<sup>st</sup> May, 2001 and 1/2001(NT-Customs dated 4<sup>th</sup> January, 2002. The exporter has also not responded to the specific questionnaire sent to it seeking information on its Market Economy status. The Authority in this regard also notes that in cases of exports of Steel Concrete Reinforcing Bars by PR China to USA dated 22.6.2001, exports of Bicycles by China to EU dated 30.6.2001 and exports of non-frozen apple juice concentrate by China to EU dated 13.4.2002 China has been treated as non-market economy. The Authority however, notes that the exporter has provided the international raw material prices for the use in the manufacture of the subject goods and the evidence regarding the appropriate packing cost for the subject goods. In view of the failure of the exporter to rebut the presumptions of non-market condition as explained above, the Authority has proceeded to construct the normal value in respect of this exporter. However, the cost elements of the raw material provided by the exporter has been considered and the other cost components as provided by the domestic industry has been taken for appropriately constructing the cost of production of the subject goods during the period of

investigation for referencing the normal value. The cost of production details have been considered on the basis of the cost of production of the subject goods in India in accordance with the Anti Dumping Rules read with Custom Notifications No.44/99(N.T.) dated 15<sup>th</sup> July, 1999, 28/2001(N.T.) dated 31<sup>st</sup> May, 2001 and 1/2001(NT-Customs dated 4<sup>th</sup> January, 2002. The Authority has therefore constructed the normal value as \*\*\*\*\$/pair for the purpose of preliminary determination pending final determination.

### **Export Price**

The Authority has referenced the export price on the basis of the response given by M/s Enterprise Trading Company, the Importer of subject goods during the period of investigation. The Authority has allowed adjustments on inland freight, ocean freight, port expenses, commission and other expenses to an extent of \*\*\*\*, \*\*\*\*, \*\*\*\*, \*\*\*\* and \*\*\*\* \$/pair respectively on the basis of data provided by the exporter and the importer. Adjustment on commission has been considered to an extent of \*\*\*% as the goods has been exported through a trading house.

The ex-factory export price comes to \*\*\*\*\$/per pair.

## **B. ASSESSMENT OF NON-COOPERATING PRODUCERS/EXPORTERS FROM PR CHINA**

### **Normal Value**

None of the exporters/producers other than the exporters stated above from PR China have responded. Out of the responding parties only one exporter i.e. M/S Y & S(Tianjin) Industries Ltd., PR China has provided certain data on CR 39 lenses and others have claimed that they manufacture and export PMMA lenses only. The Authority has therefore, referenced the constructed normal value as adopted for the co-operating producer for these exporters/producers as well.

The normal value is therefore referenced as \*\*\*\*\$/pair.

### **Export Price**

The Authority has considered the least export price from the response provided by the importer viz. M/s Enterprise Trading Company for these exporters/producers. The least CIF price for these as per the importer's response is \*\*\*\*\$/per pair. The adjustments have been provided on inland freight, ocean freight, port expenses, commission and ocean insurance to an extent of \*\*\*\*, \*\*\*\*, \*\*\*\*, \*\*\*\* and \*\*\*\*\$/ pair respectively.

The ex-factory export price comes to \*\*\*\*\$/per pair.

**C. ASSESSMENT OF ALL PRODUCERS/EXPORTERS TAIWAN**

**Normal Value**

The Authority notes that none of the exporters/producers of subject goods from Taiwan have responded to the Initiation Notification. The Authority has therefore referenced the constructed cost of production as indicated in the foregoing para above for these exporters/producers from Taiwan also.

The normal value is therefore referenced as \*\*\*\*\$/ pair.

**Export Price**

The Authority notes that in view of no response by the exporters/producers from Taiwan and also no response from the importer, the best available information in terms of Rule 6(8) of Antidumping Rules has been considered. The CIF export price on the basis of the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) has been referenced for the purpose of evaluating the export price. The adjustments on inland freight, ocean freight, port expenses, commission and ocean insurance to an extent of \*\*\*\*, \*\*\*\*, \*\*\*\*, \*\*\*\* and \*\*\*\*\$/pair has been allowed on CIF to evaluate the ex-factory export price.

The ex-factory export price comes to \*\*\*\*\$/ pair.

**5. DUMPING: Comparison of Normal Value & Export Price**

The rules relating to comparison provides as follows:

"While arriving at margin of dumping, the Designated Authority shall make a fair comparison between the export price and the normal value. The comparison shall be made at the same level of trade, normally at ex-works level, and in respect of sales made at as nearly possible the same time. Due allowance shall be made in each case, on its merits, for differences which affect price comparability, including differences in conditions and terms of sale, taxation, levels of trade, quantities, physical characteristics, and any other differences which are demonstrated to affect price comparability."

The authority has carried out weighted average normal value comparison with the weighted average ex-factory export price in

Period of Investigation, for evaluation of the dumping margin for all the exporter/producers of the subject country.

The dumping margin for exporter/producers comes as under:

SI No	Exporter/Producer	Ex-factory Export Price (\$/pair)	Normal Value (\$/pair)	Dumping Margin as % of EP
1	<b>PR China</b> 1. Y&S (Tianjin) Industries Ltd. 2. Wenzhou East Optical glass Co. Wenzhou Mingda Optical Glass Wenzhou Wenzhou Group Co.	****	**	26.49
	3. Other producers/exporters	****	**	213.13
2.	<b>Taiwan</b> All producers/exporters from Taiwan	****		233.75

## 6. INJURY

Under Rule 11 supra, Annexure-II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, "taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, sales quantum, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered, in accordance with Annexure II(iv) of the rules supra.

The Authority notes and observes the following economic parameters in the case of the domestic producers who have filed and supported the petition:-

	1999-2000	2000-2001	2001-2002 (POI)
Domestic Capacity(Pair)*	26,25,000	26,25,000	26,25,000
Production * (Pair)	943695	1513992	1781265

Capacity Utilisation (%)	36%	57%	67%
Domestic Sales (Pair)	432934	995479	1084573
Sales to production	46%	66%	61%
Imports from China (Pair)	475585	550319	872400
Imports from Taiwan(Pair)	414805	397593	623534
Total Imports (Pair)	2025705	1623482	2154880
Demand (Pair)	2458639	2618961	3239453
Market share of domestic industry as % of demand (%)	17%	38%	33%
Market share of China as % of demand (%)	19.34	21.01	26.93%
Market share of Taiwan as % of Demand	16.87	15.18	18.45%
Market share of China as % of total imports (%)	23.47	33.89	40.48%
Market share of Taiwan as % of total imports (%)	20.47	24.49	28.93%
Net Sales Realisation of Domestic Industry (Rs/Pair)	****	****	****

\* Based on Domestic Sales entitlement of M/S Techtran Polylenses.

(i) The Authority notes that though the production, capacity utilisation and domestic sales of the Domestic Industry have increased from 1999-2000 to 2001-2002 in absolute terms it remains much below the installed capacity. One of the petitioners, i.e. M/S Techtran has been operating at about 85% capacity and maintaining its export obligation. But it has not been able to use its domestic sale entitlement (50% of exports) for all the years due to depressed prices in the domestic market caused by dumping from the subject countries. Actual domestic sales have been about 50% of its normal domestic sales entitlement for the period under consideration, leading to huge built up of inventory. The other petitioner M/S Indian Ophthalmics, is operating only half a shift in a day and produces only half its capacity,

in order to avoid inventory built up as the domestic market is depressed due to both volume and price effect of dumped imports.

- (ii) The capacity utilisation has remained below 70%. Though it has increased marginally between 00-01 and 01-02. But sales to production of the domestic industry have declined during this period.
- (iii) The imports of subject goods from the subject countries have increased from 1999-2000 to 2001-2002 in absolute terms and also as % of demand and total imports.
- (iv) The market share of Domestic Industry has decreased from 2000-2001 to 2001- 2002 due to dumped imports.
- (v) The dumped imports have caused price under-cutting and the Net Sales Realization (NSR) of the Domestic Industry has been lower than the Non-Injurious Price (NIP) in the Period of Investigation thus leading to price underselling and thus financial loss to the Domestic Industry.
- (vi) The demand of subject goods has increased from 1999-2002 to 2001-2002 thus not being a constraining factor for injury to the Domestic Industry.
- (vii) One of the petitioners have been showing accumulated cash loss for the last three years including the POI or improving their financial position mostly through export earning, while inventory is building up as domestic sales have been affected by dumping from the subject countries.

## 7. CAUSAL LINK

The Authority has examined the impact of the dumped imports on the domestic industry as per principle (v), Annexure II of the Antidumping Rules. The relevant indices as set forth in para (iv) of the Annexure II of the rules have been examined by the Authority.

The Authority has considered the views expressed by the petitioners and other interested parties as regards the causal links, which have been mentioned in the preceding paragraphs. After examining the various economic parameters as above the Authority has come to the following conclusions:

- (i) There has been an increase in imports of subject goods from subject countries in absolute terms as well as in relation to the demand of said goods in India.
- (ii) The market share of the dumped imports from the subject countries has increased significantly during POI in comparison to the previous years. The significant volume of dumped imports from the subject countries has resulted in significant price under cutting, price suppression/depression for the

subject products of the domestic industry. The net sales realization of the domestic industry has been significantly below the non-injurious price (NIP) of subject goods as a result of the dumped imports from subject countries.

- (iii) The domestic industry has suffered injury due to price suppression. They have not been able to raise their selling price so as to realize a fair return on the investments as the landed value of the dumped imports has considerably depressed the selling price of the domestic industry.
- (iv) The above economic parameters cumulatively and collectively establish that domestic industry has suffered material injury on account of dumping.
- (v) The demand of the subject goods has not decreased but has instead increased and therefore, contraction of demand cannot be attributed as a cause of injury. The Authority also notes that the domestic industry is globally competitive and changes in technology or competition amongst the domestic producers are not the cause of injury. The Authority has also noted that there is some increase in the exports made by the domestic industry in comparison to the previous year. Therefore, decline in exports sales of the domestic industry cannot be attributed to the injury. No technological development in the industry or any other such factor, which could have resulted in injury to the domestic industry, has been noticed.

## 8. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

The Authority holds that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

The Authority also recognizes that though the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products, however, fair competition in the Indian market will not be reduced by these anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by the dumping practices and would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice of the subject goods to the consumers. Imposition of anti-dumping measures would also not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

## 9. LANDED VALUE

The landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs under Customs Tariff Act, 1962 and applicable level of custom duties except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9, 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

## D. CONCLUSIONS:

After examining the issues raised and submissions made by the interested parties the authority provisionally concludes that:

- a) The subject goods in all forms originating in or exported from the subject countries have been exported to India below its normal value.
- b) The domestic industry has also suffered material injury by way of financial losses due to depressed Net Sales Realization (NSR) on account of price depression and suppression caused by low landed prices of the dumped subject goods.
- c) The injury has been caused to the domestic industry both by volume and price effect of dumping of the subject goods originating in or exported from the subject countries.
- d) The Authority recommends anti-dumping duty on imports of subject goods falling under chapter 90 and originating in or exported from the subject countries.
- e) The Authority recommends the amount of anti-dumping duty equal to the margin of dumping so as to remove the injury to the domestic industry accrued on account of dumping. Accordingly, it is recommended that provisional anti dumping duties equal to the difference between the amount indicated in the column 9 of the table annexed to this Notification and the landed value of subject goods, in US\$/thousand pair, be imposed, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from subject countries under Chapter 90 Customs sub-heading 9001.50 the Customs Tariff, pending final determination .

## E. FURTHER PROCEDURE

The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:

- a. The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;
- b. Exporters, Importers, Petitioner and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who

may make known their views, within forty days from the date of the despatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;

- c. The Authority would conduct verifications to the extent deemed necessary;
- d. The Authority would provide opportunity to all interested parties for oral submissions, for which the date and time shall be communicated to all known interested parties separately;
- e. The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

**L. V. SAPTHARISHI**, Designated Authority

## ANNEXURE - I

S.No	Sub Heading or Tariff Item	Description of Goods	Specifi cation or	Country of origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit of Measure	Cur rency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1	9001.50	Plastic Ophthalmic Lenses made out of CR 39 or equivalent	Nil	People's Republic of China	Any country other than Taiwan	Y & S (Tianjin) Industries	Any exporter	1230.46	1000 Pair	US\$
2.	9001.50	Plastic Ophthalmic Lenses made out of CR 39 or equivalent	Nil	Any country	People's Republic of China	Y & S (Tianjin) Industries	Any exporter	1230.46	1000 Pair	US\$
3.	9001.50	Plastic Ophthalmic Lenses made out of CR 39 or equivalent	Nil	Any country	Taiwan	Any producer	Any exporter	1070.24	1000 Pair	US\$
4.	9001.50	Plastic Ophthalmic Lenses made out of CR 39 or equivalent	Nil	Taiwan	Any country other than PR China	Any producer	Any exporter	1070.24	1000 Pair	US\$